www.tamsasanket.com
वर्ष: 29 || अंक 63 || अम्बेडकरनगर
रविवार
24 मई 2026 || पृष्ठ: 08 || मूल्य: 2 ₹
आज़ादी का अमृत महोत्सव
समूह संपादक- डॉ. ओ.पी. मिश्रा
दैनिक तमसा संकेत
डॉ. लोहिया की जन्म भूमि से सर्वप्रथम प्रकाशित समाचार पत्र
https://epaper.tamsasanket.com
अम्बेडकर नगर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित

मौसम
सूर्योदय: 05:15
सूर्यास्त: 06:51
अधिकतम: 43°00
न्यूनतम: 29°00

पेज 07
विशेष समाचार | गुजरात में बनेगा ... >> पेज 04 | यूपी में पारा 47 डिग्री ... >> पेज 06 | कांस 2026 : सफायर ब्लू ...

बिजली कटौती पर ऐक्शन में योगी सरकार, कई अधिकारियों को किया सस्पेंड

लापरवाही पर चला योगी का डंडा

भीषण गर्मी के प्रकोप और बिजली की बढ़ती मांग को देखते हुए मध्यांचल विद्युत वितरण निगम ने 30 जून तक अस्थायी रूप से बायोमैट्रिक अटेंडेंस के नियमों में ढील देने का निर्णय लिया है ताकि बिजली आपूर्ति सुचारु रूप से जारी रहे।

कई विधायक बिजली कटौती का उठा चुके हैं मुद्दा

लखनऊ पूर्व से भाजपा विधायक ओपी श्रीवास्तव ने ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा को पत्र लिखकर अपने क्षेत्र इंदिरा नगर, मुंशीपुलिया, लक्ष्मणपुरी, रवीन्द्रपल्ली, निशातगंज, कल्याणपुर, महानगर, विकास नगर और गोमती नगर समेत कई इलाकों में अघोषित बिजली कटौती से जनता को हो रही परेशानी का मुद्दा उठाया। इससे पहले सरोजनीनगर विधायक राजेश्वर सिंह और लखनऊ उत्तर के विधायक नीरज बोरा भी अपने क्षेत्रों में बिजली संकट को लेकर मंत्री को पत्र लिख चुके हैं।

सख्ती

हेमन्त कष्ण

तमसा संकेत, लखनऊ। यूपी के भीषण गर्मी के बीच हो रही बिजली कटौती को लेकर योगी सरकार अब ऐक्शन में आ गई। योगी सरकार ने यूपी पावर ट्रांसमिशन कॉरपोरेशन में लापरवाही पर अफसरों पर बड़ी कार्रवाई की है। सरकार ने दो एग्जीकयूटिव इंजीनियर को सस्पेंड कर दिया गया है। कुछ अन्य लोगों पर भी कार्रवाई की तलवार लटकी है। कभी भी इन पर गाज गिर सकती है। बतादें कि यूपी में पिछले कुछ दिनों से आग बरस रही है। तापमान बढ़ने के कारण लोगों का घरों से निकलना दूभर हो गया है। ऐसे में

गर्मी से बचने के लिए बिजली ही एक सहारा है, वह भी पर्याप्त मात्रा में नहीं मिल पा रही है। बिजली कटौती को लेकर कई जिलों में प्रदर्शन भी हुए हैं। कटौती को लेकर कई विधायकों ने भी सीएम योगी को लेटर भेजे हैं। इसको देखते हुए सीएम योगी ने सख्त रुख अपनाया है। योगी सरकार ने गाजियाबाद में तैनात एग्जीक्यूटिव इंजीनियर राहुल को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया है।

>> (शेष पेज 06 पर)

भीषण गर्मी में बिजली संकट को लेकर सियासी घमासान

भीषण गर्मी के बीच उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बिजली कटौती अब बड़ा राजनीतिक मुद्दा बन गई है। विपक्षी दलों के साथ-साथ भाजपा के विधायकों ने भी अपने क्षेत्रों में चरमराती बिजली व्यवस्था को लेकर सवाल खड़े किए हैं। विधानसभा चुनाव से कुछ महीने पहले ही यह मामला सियासी तूल पकड़ चुका है। विपक्ष के साथ ही अपनी पार्टी के विधायकों का आरोप झेल रहे ऊर्जा मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने कहा है कि वे सत्ता पक्ष और विपक्ष दोनों के सुझावों का स्वागत करते हैं और जनता की शिकायतों के समाधान के लिए हर संभव कदम उठाए जाएंगे।

विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय ने उत्तर प्रदेश बिजली निगम के प्रबंध निदेशक को पत्र लिखकर सद्धिार्थनगर जिले में लम्बी बिजली कटौती की शिकायत की। बसपा अध्यक्ष मायावती ने सोशल मीडिया पर लिखा कि भीषण गर्मी में कम आपूर्ति और कटौती से गरीब, मध्यम वर्ग, किसान, छोटे व्यापारी और मेहनतकश लोगों का जीवन कष्टदायी हो गया है।

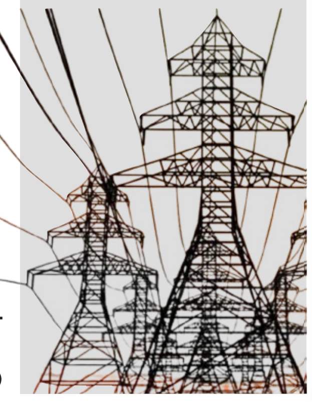

कोलकाता में ममता बनर्जी की डिजाइन की गई मूर्ति तोड़ी

कोलकाता। बंगाल सरकार ने शनिवार को कोलकाता में सॉल्ट लेक स्टेडियम के बाहर लगी मूर्ति को तुड़वा दिया। इसे पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने डिजाइन किया था।

इसे 2017 में पश्चिम बंगाल में आयोजित हुए फीफा अंडर-17 वर्ल्ड कप से पहले लगाया गया था। मूर्ति लगाने से पहले सॉल्ट लेक स्टेडियम को 100 करोड़ की लागत से अपडेट किया गया था।

स्टेडियम के VVIP गेट के सामने लगी इस मूर्ति में फुटबॉल बूट पहने हुए खिलाड़ी के 2 पैरों पर फुटबॉल बने हुए थे। मूर्ति में कमर के ऊपर भी फुटबॉल बनी हुई थी। इस मूर्ति पर TMC सरकार का ब्रांडिंग स्लोगन 'बिश्वा बांग्ला' लिखा हुआ था। मूर्ति के नीचे लिखा हुआ था- कॉन्सेप्ट एंड डिजाइन बाय ममता बनर्जी।

चीन की कोयला खदान में ब्लास्ट, 90 लोगों की मौत

जिनपिंग बोले- गुनहगारों को नहीं छोड़ेंगे

हादसा

तमसा संकेत, एजेंसी

बीजिंग। चीन के शांक्सी प्रांत में एक कोयला खदान में हुए भीषण विस्फोट में कम से कम 90 लोगों की मौत हो गई। यह हादसा चीन में पिछले एक दशक का सबसे बड़ा कोयला खदान हादसा माना जा रहा है। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक विस्फोट शुक्रवार को शांक्सी प्रांत के किनयुआन काउंटी में हुआ। यह इलाका बीजिंग से करीब 520 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में स्थित है। हादसे से पहले खदान में कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का अलर्ट जारी किया गया था। इसके

उस वक्त खदान के अंदर 247 मजदूर काम कर रहे थे।

कुछ समय बाद जोरदार विस्फोट हुआ। जिस समय धमाका हुआ, उस वक्त खदान के अंदर 247 मजदूर काम कर रहे थे। अभी यह साफ नहीं है कि कितने लोग अब भी अंदर फंसे हुए हैं। राहत और बचाव अभियान जारी है।

>> (शेष पेज 06 पर)

दिल्ली जिमखाना क्लब 5 जून तक खाली करने का ऑर्डर

नई दिल्ली । केंद्र सरकार ने लुटियंस दिल्ली स्थित ऐतिहासिक दिल्ली जिमखाना क्लब को 5 जून तक कैंपस खाली करने का ऑर्डर दिया है। केंद्र के लैंड एंड डेवलपमेंट ऑफिस (L&DO) ने 22 मई को क्लब सेक्रेटरी को लेटर भेजकर यह आदेश जारी किया।

इसमें कहा गया है कि सरकार को क्लब के कब्जे वाली 27.3 एकड़ जमीन डिफेंस इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने, संस्थागत जरूरतों और दूसरे प्रोजेक्ट्स के लिए चाहिए। आदेश के मुताबिक राष्ट्रपति की ओर से जमीन लीज खत्म कर दी गई है। क्लब के सदस्य सिद्धार्थ ने कहा कि सरकार के आदेश को अदालत में चुनौती दी जाएगी। उन्होंने कहा कि क्लब से किसी सुरक्षा खतरे जैसी स्थिति नहीं है और आदेश में किए गए दावों पर पुनर्विचार होना चाहिए।

विदेश मंत्री रुबियो दिल्ली में पीएम से मिले, अमेरिकी मीडिया बोली- यह डैमेज कंट्रोल की कोशिश

ट्रम्प ने पीएम मोदी को दिया अमेरिका आने का न्योता

चर्चा

- रूबियो बोले- क्वाड को फिर से मजबूत करना चाहता हूं
- दिल्ली की गर्मी को लेकर मजाक किया
- दौरे में एनर्जी सिक्योरिटी बड़ा मुद्दा रहेगा

तमसा संकेत, एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सेवा तीर्थ में मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से पीएम मोदी को अमेरिका आने का न्योता दिया।

>> (शेष पेज 06 पर)

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने शनिवार को मिशनरीज ऑफ चैरिटी के मुख्यालय 'मदर हाउस' का दौरा किया। इस दौरान उनकी पत्नी जैनेट रूबियो और भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर भी मौजूद थे।

भारत अमेरिका में 1 साल से तनाव जारी

रिपोर्ट के मुताबिक, रूबियो का यह दौरा ऐसे समय हो रहा है जब पिछले साल के मध्य से भारत-अमेरिका संबंधों में कुछ मुद्दों को लेकर तनाव देखा गया था। माना जा रहा है कि इस यात्रा का मकसद दोनों देशों के रिश्तों को फिर से मजबूत करना भी है। अब दिल्ली में रुबियो की बातचीत का सबसे बड़ा मकसद यही माना जा रहा है कि भारत यह समझ सके कि ट्रम्प सरकार एशिया में आगे क्या रणनीति अपनाने वाला है । >> (शेष पेज 06 पर)

फास्ट न्यूज

नीट पेपर लीक की आरोपी फिजिक्स टीचर सस्पेंड

नई दिल्ली/पिंपरी चिंचवाड़। महाराष्ट्र के स्कूल सेठ हीरालाल सरस्वती प्रशाला ने सीनियर फिजिक्स लेक्चरर मनीषा संजय हवलदार को NEET पेपर लीक में शामिल होने के आरोप में गिरफ्तारी के बाद तुरंत सस्पेंड कर दिया है।

आस्था दर्शन

अमरनाथ से बाबा बर्फानी की पहली तस्वीर आई

श्रीनगर । अमरनाथ यात्रा शुरू होने से पहले शनिवार को बाबा बर्फानी की पहली तस्वीरें सामने आ गई हैं। सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि 6 से 7 फीट का शिवलिंग अपना आकार ले चुका है। इस दौरान सुरक्षा के लिए तैनात जवानों ने सबसे पहले शिवलिंग के दर्शन भी किए। अमरनाथ यात्रा इस साल 3 जुलाई 2026 से शुरू होकर 9 अगस्त 2026 तक चलेगी।

कॉकरोच जनता पार्टी का दावा- वेबसाइट बंद, इंस्टाग्राम हैक

नई दिल्ली । कॉकरोच जनता पार्टी ने शनिवार को सरकार पर इंस्टाग्राम अकाउंट हैक करने और वेबसाइट बंद करने का आरोप लगाया। पार्टी ने सुबह 8.25 बजे X पोस्ट में बताया कि CJP का इंस्टाग्राम अकाउंट एक्सेस नहीं कर पा रहे हैं। इसके बाद पार्टी के फाउंडर अभिजीत दीपके ने दोपहर 1.14 बजे X पर कहा- सरकार ने हमारी वेबसाइट बंद कर दी है।

बिजली नहीं थी बाहर सोए परिवार को डंपर ने रौंदा

पिता, 3 बच्चों की मौत, पत्नी गंभीर, बाराबंकी में हादसा

दर्दनाक

तमसा संकेत, एजेंसी

बाराबंकी। बाराबंकी में बेकाबू डंपर ने एक परिवार के 5 लोगों को रौंद दिया। हादसे में पिता, बेटा और दो बेटियों की मौत हो गई। पत्नी की हालत गंभीर है। रिश्तेदारों ने बताया- बिजली न होने के कारण परिवार घर के बाहर सो रहा था। शुक्रवार रात 2 बजे बेकाबू डंपर आया। उसने पहले पेड़ में टक्कर मारी, फिर सड़क किनारे सो रहे परिवार को रौंद दिया।

हादसे के बाद चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग दौड़कर पहुंचे। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने चार लोगों को मृत घोषित कर दिया।

नीरज की बहन का रो-रोकर बुरा हाल है। कहा- सबकुछ खत्म हो गया।

हादसे के बाद चालक डंपर छोड़कर मौके से फरार हो गया। मरने वालों की पहचान नीरज (35), उनके बच्चे अनुराग (13), अंशिका (10) और अंशू (6) के रूप में हुई है।

>> (शेष पेज 06 पर)

आजम और बेटे अब्दुल्ला की सजा 3-3 साल बढ़ी

10-10 साल जेल में काटेंगे, सरकार की याचिका पर रामपुर कोर्ट का फैसला

आदेश

तमसा संकेत, एजेंसी

रामपुर । सपा नेता आजम खान और उनके बेटे अब्दुल्ला आजम को अब 10-10 साल की सजा काटनी होगी। शनिवार को रामपुर MP/MLA कोर्ट ने फर्जी पैन कार्ड मामले में दोनों की 7-7 साल की सजा को 3-3 साल और बढ़ा दिया। कोर्ट ने दोनों पर 5-5 लाख रुपए का जुर्माना भी लगाया।

17 नवंबर, 2025 को इसी मामले में MP/MLA कोर्ट ने आजम और अब्दुल्ला को 7-7 साल

की सजा सुनाई थी। 50-50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया था। तभी से दोनों रामपुर जेल में बंद हैं। इसी बीच 5 मई, 2026 को यूपी सरकार की ओर से एडीजीसी सीमा राणा ने सजा बढ़ाने के लिए कोर्ट में अपील दायर की थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

"सरकारी वकील सीमा राणा ने कहा-दो पैन कार्ड मामले में सरकार की सजा बढ़ाने की अपील पर फैसला आया है। हालांकि, हमने आजीवन कारावास की मांग की थी, लेकिन कोर्ट ने 3-3 साल की सजा बढ़ाई है। हम इस फैसले से संतुष्ट हैं।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ एफआईआर

मोदी के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप

आरोप

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। अजय राय पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने का आरोप है। अजय राय के अलावा पूर्व कांग्रेस कमेटी सचिव बृजराज अहिरवार और कांग्रेस पार्टी के 30 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई है। यह एफआईआर महोबा जिले में 22 मई को आयोजित एक राजनीतिक सभा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी और सार्वजनिक व्यवस्था के कथित उल्लंघन के आरोप में दर्ज की गई है।

30 अज्ञात समर्थकों के खिलाफ भी एफआईआर दर्ज की गई

महोबा के कोतवाली नगर पुलिस स्टेशन में भाजपा जिला कार्यकारी समिति के सदस्य और सामाजिक-राजनीतिक कार्यकर्ता नीरज रावत द्वारा दर्ज कराई गई एफआईआर के अनुसार, समद नगर इलाके में राजकुमार अहिरवार के आवास पर बिना पूर्व प्रशासनिक अनुमति के एक कार्यक्रम आयोजित किया गया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

तनाव : 40-50 जवान हथियार लेकर पहुंचे, पुलिसवाले पीछे हटे अस्पताल पर एक्शन न होने से नाराज थे

कानपुर में आईटीबीपी जवानों ने पुलिस कमिश्नरेट घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर । कानपुर में ITBP के 40-50 हथियारबंद जवानों ने पुलिस कमिश्नरेट को घेर लिया। सभी साथी जवान की शिकायत पर कार्रवाई न होने से नाराज थे। ITBP जवान पूरे परिसर में जगह-जगह खड़े हो गए। वर्दी में हथियार से लैस होकर पहुंचे जवानों को देखकर पुलिसवाले पीछे हट गए। करीब एक घंटे तक परिसर में माहौल तनावपूर्ण रहा।

पुलिस कमिश्नर, CMO और अन्य अफसरों की लंबी बातचीत के

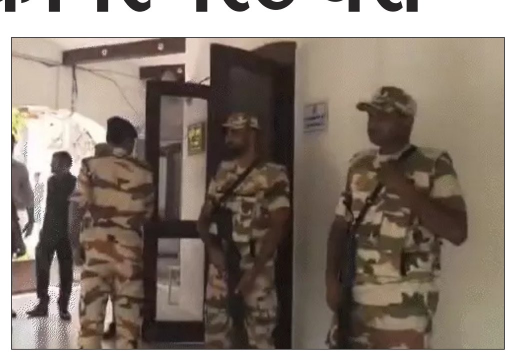

बाद मामला शांत हुआ। दरअसल, ITBP कैंप में तैनात कमांडो विकास सिंह की मां निर्मला देवी के पेट की समस्या का इलाज टाटमिल चौराहे स्थित कृष्णा सुपर स्पेशिलिटी हॉस्पिटल में हुआ था। आरोप है कि इलाज के दौरान लापरवाही से उनके हाथ में संक्रमण फैल गया, जिसे बाद काटना पड़ा। घटना से नाराज

तस्वीर सोमवार की है, जब विकास सिंह ने मां का कटा हाथ बॉक्स से निकालकर अफसरों को दिखाया था।

विकास मंगलवार, 19 मई को मां का कटा हाथ लेकर पुलिस कमिश्नर के पास पहुंचे थे। उनसे कृष्णा अस्पताल के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। पुलिस कमिश्नर ने जांच के लिए मामला CMO को भेज दिया था।

>> (शेष पेज 06 पर)

दोबारा जांच रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई होगी- एडीजी

एडिशनल पुलिस कमिश्नर लॉ एंड ऑर्डर विपिन ताडा ने बताया किसी भी तरह का घेराव नहीं हुआ। जवान अपने अफसरों के साथ आए थे। वे लोग अपॉइंटमेंट लेकर आए थे। मेडिकल रिपोर्ट पर उनकी कुछ बिंदु पर आपत्तियां थीं, जिनको लेकर दोबारा कमेटी का गठन किया गया है। अब रिपोर्ट के आधार पर आगे सख्त कार्रवाई की जाएगी। इस कमेटी में पुलिस, आईटीबीपी और सीएमओ के डॉक्टर की जॉइंट टीम जांच कर रिपोर्ट देगी।

अफसर बोले- मेरे कांस्टेबल और इंस्पेक्टर की भी हो चुकी है मौत

आईटीबीपी के लाइजनिंग ऑफिसर अर्पित सिंह ने बताया था- मुझे यह भी जानकारी मिली है कि आईटीबीपी की एक महिला कांस्टेबल की भी इलाज के दौरान कृष्णा हॉस्पिटल में मौत हो चुकी है। एक इंस्पेक्टर की भी इलाज में लापरवाही के चलते मौत यहां मौत हुई थी।

>> (शेष पेज 06 पर)

यूपी में विधानसभा के बाद ही होंगे पंचायत चुनाव

26 मई से पहले ग्राम पंचायतों में बनेंगे 'प्रशासक'

निर्णय

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी में पंचायत चुनाव को लेकर चल रही अटकलें खत्म हो गई हैं। अब पंचायत चुनाव 2027 विधानसभा चुनाव के बाद ही होंगे। प्रदेश की 57 हजार 695 ग्राम पंचायतों में प्रधानों का कार्यकाल 3 दिन बाद (26 मई) खत्म हो रहा है। इसके चलते पंचायतीराज विभाग ने प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद गांवों में प्रशासक नियुक्त करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री को भेजा है। कुछ दिन पहले ही पंचायतीराज विभाग ने ग्राम प्रधानों का कार्यकाल खत्म होने के बाद कामकाज संभालने के लिए प्रशासक की

प्रधान संघ ने 'प्रशासनिक समिति' बनानी की मांग की थी

नियुक्ति या प्रशासनिक समिति बनाने का प्रस्ताव कैबिनेट को भेजा था। विभाग के निदेशक अमित सिंह ने कहा था ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने का कोई प्रावधान नहीं है।

>> (शेष पेज 06 पर)

लखीमपुर में सिर के बल गिरे, बोलेरो की टक्कर से बाइक 3 फीट हवा में उछली

सीओ की गाड़ी से कुचलकर मामा-भांजे की दर्दनाक मौत

दुर्घटना

तमसा संकेत, एजेंसी

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी में सीओ की बोलेरो से कुचलकर मामा-भांजे की मौत हो गई। दोनों बाइक पर सवार थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक 3 फीट हवा में उछल गई। मामा और भांजे दोनों सिर के बल सड़क पर गिरे। मामा ने मौके पर दम तोड़ दिया। घटना के समय मोहम्मदी सीओ अरुण कुमार सिंह खुद गाड़ी में बैठे थे।

घटनास्थल पर मौजूद राहगीरों ने भांजे को अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान उसकी भी मौत हो गई। पुलिस से मिली सूचना पर परिवार वाले अस्पताल पहुंचे। वहां पुलिस पूछताछ में बताया कि मामा-भांजे खेती के लिए दवा लेने शहर जा रहे थे। घटना जिला मुख्यालय से 70 किमी दूर मोहम्मदी थाना क्षेत्र की है।

बाइक सवार मामा-भांजे शाहजहांपुर के गांव अनाया के रहने वाले हैं। राम अवतार की रैगाई थानाक्षेत्र के पिहानी में ससुराल है। वह वहीं पर रहकर खेती करते थे। वह खेती के लिए दवाई लेने मोहम्मदी अपने मामा के साथ आ रहे थे। जयराम की शादी नहीं हुई है। वह भी खेती का काम करते थे।

> हादसे की खबर मिलते ही राम अवतार की पत्नी रेशमा सहित परिवार वाले बदहवास हो गए। इसके बाद सभी अस्पताल पहुंचकर हंगामा करने लगे। मामला गंभीर होते देख एसडीएम मोहम्मदी, तहसीलदार अरुण कुमार, इंस्पेक्टर समेत बड़ी संख्या में पुलिसकर्मी अस्पताल पहुंचे। अफसरों ने मृतकों के परिवार वालों समझा-बुझाकर किसी तरह शांत कराया।

पुलिस ने दोनों शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। सीओ की बोलेरो को मोहम्मदी थाने में खड़ा कराया गया है। पुलिस अफसरों का कहना है कि घटना किन परिस्थितियों में हुई, इसकी जांच की जा रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के बयान और घटनास्थल के साक्ष्यों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

मृतक राम अवतार के बेटे अनुज ने मोहम्मदी सीओ अरूण कुमार सिंह के खिलाफ शिकायत पुलिस में शिकायत दी है। इसमें सीओ की मौजूदगी में ड्राइवर के सरकारी गाड़ी स्पीड में और लापरवाही से चलाने का आरोप लगाया है।

एक साथ मामा-भांजे की मौत होने से परिवार वालों का रो-रोकर बुरा हाल है।

थाना दिवस में शामिल होने जा रहे थे सीओ

सीओ अरुण कुमार सिंह सरकारी बोलेरो से मोहम्मदी से पसगंवा 8 किमी दूर थाना दिवस में जा रहे थे। तभी करीब 12 बजे मोहम्मदी और कंधारापुर रोड के बीच बोलेरो से बाइक की टक्कर हो गई।बाइक पर मामा जयराम (50) और भांजे राम अवतार (45) सवार थे। टक्कर इतनी तेज थी कि दोनों मामा-भांजे बाइक से उछलकर सिर के बल गिरे। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को इलाज के लिए मोहम्मदी स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया। जहां जयराम को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। जबकि, राम अवतार की इलाज के दौरान मौत हो गई।

पारिजात वृक्ष में लगे फूल बने आकर्षण का केंद्र बिंदु

यहां पर फैली अव्यवस्थाएं शासन की छवि को धूमिल करती

तमसा संकेत, संवाददाता

बराबंकी । महाभारत कालीन पौराणिक तीर्थ स्थल व पर्यटक स्थल पारिजात धाम बरोलिया में स्थित पारिजात वृक्ष में लगे स्वर्णमई आभा वाले सुंदर-सुंदर पुष्प अपनी भीनी भीनी सुगंध से सारे वातावरण को जहां आच्छादित कर रहे हैं वही यहां पर फैली अव्यवस्थाएं शासन की मंशा को मुंह चिढ़ा रही हैं।

जिला मुख्यालय से करीब 12 किलोमीटर रामनगर-टिकैतनगर रास्ते पर ग्राम बरोलिया में पौराणिक तीर्थ व पर्यटक स्थल पारिजात धाम स्थित है , जिसमें लगे स्वर्ण मई आभा वाले पुष्प अपनी भीनी भीनी सुगंध से आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं देश के कोने-कोने से प्रतिदिन हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं का यहां आवागमन रहता है यहां पर बच्चों के झूलने के लिए टूटे झूले बंद कैंटीन निष्प्रयोज्य शौचघर फैला गंदगी का साम्राज्य मुख्य मार्ग पटरी दुकानदारों का कब्जा यहां की

व्यवस्था को मुंह चिढ़ा रही है यहां पर बना शौचघर गंदगी से पटा पड़ा हुआ है जिसमें लटकता हुआ ताला किसी भी समय देखा जा सकता है यही नहीं यहां पर स्वच्छ पेयजल मुहैया कराने के उद्देश्य से लगा हुआ टू इंडिया मार्का हैंडपंप अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है जिससे पेयजल की किल्लत बनी हुई है । पौराणिक कथाओं के अनुसार यह पारिजात वृक्ष समुद्र मंथन के समय निकले 14 रत्नों में से एक माना जाता है जिसे भगवान श्री कृष्णा और अर्जुन इंद्र की वाटिका से लेकर आए थे और उसकी एक डाल को उन्होंने पारिजात धाम बरोलिया में प्रत्यारोपित कर दिया था तभी से यह अपने अस्तित्व को बनाए हुए हैं ।

फास्ट न्यूज

गोरखपुर में पेट्रोल-डीजल का संकट गहराया

गोरखपुर। गोरखपुर में पेट्रोल और डीजल की किल्लत शनिवार को भी जारी रही। सुबह से ही कई पेट्रोल पंपों पर तेल खत्म हो गया, जिससे लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा। शहर के साथ-साथ ग्रामीण इलाकों, महराजगंज और देवरिया से भी बड़ी संख्या में लोग गैलन और डब्बा लेकर डीजल लेने गोरखपुर पहुंच रहे हैं।

अयोध्या में युवक का शव फंदे से लटका मिला

अयोध्या। अयोध्या जिले के मोतीगंज बाजार में शनिवार को एक युवक का शव उसके घर में फंदे से लटका मिला। युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में हुई मौत से इलाके में सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा।

मृतक की पहचान 25 वर्षीय जितेंद्र श्याम के रूप में हुई है, जो मोतीगंज बाजार, कोतवाली बीकापुर, अयोध्या का निवासी था। वह मूल रूप से सुल्तानपुर जिले के बल्दीराय थाना क्षेत्र के देवरा गांव निवासी शिव अर्जुन शर्मा का साला था। जानकारी के अनुसार, जितेंद्र घर में अकेले रह रहा था।

गोरखपुर में महिला ने सुसाइड किया

गोरखपुर। गोरखपुर के झंगहा थानाक्षेत्र के पांडेय टोला में शुक्रवार की देर रात विवाहिता चांदनी सिंह का शव पंखे पर फंदे से लटका मिला। घटना के बाद मृतका के मायके वालों ने ससुराल पक्ष पर सुसाइड करने के लिए उकसाने का आरोप लगाया है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। चांदनी की मौत मायके में हुई है।

स्थानांतरण पर वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन को दी गयी विदाई

तमसा संकेत, संवाददाता

आगरा। बैंक ऑफ इंडिया कमला नगर शाखा की बशिष्ठ प्रबंधक प्रशासन मीनाक्षी वर्मा का स्थानांतरण एनसीआर दिल्ली सर्किल में होने पर उनका विदाई समारोह शाखा परिसर में आयोजित किया गया जिसमें बैंक कर्मियों ने उन्हें विदाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की और उनके सफल कार्यकाल की सराहना की। मुख्य प्रबंधक मनीष उपाध्याय ने मीनाक्षी वर्मा के कार्यकाल की सराहना की। स्थानांतरित वरिष्ठ प्रबंधक प्रशासन मीनाक्षी वर्मा ने कहा कि स्थानांतरण एक प्रक्रिया है। उन्होंने अपने कार्यकाल में पूरी ईमानदारी और लगन से काम किया। उनका प्रयास रहा कि बैंक के ग्राहकों को कोई दिक्कत न हो। हमेशा अपने सभी साथियों के सहयोग से उपभोक्ताओं को बेहतरीन सुविधा देने का प्रयास किया है। उन्होंने बैंक स्टाफ एवं स्थानीय लोगों के सहयोग की सराहना की। इस अवसर पर मुख्य प्रबंधक मनीष उपाध्याय,अमिता,राकेश कुमार,पीयूष मेहरा,रीना कुमारी ,संजय कुमार आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

जमीन विवाद : छोटे भाइयों ने भाभी को भी पीटा, आज ही मुंबई से प्रयागराज लौटा था संतोष

कुल्हाड़ी से बड़े भाई का सिर धड़ से अलग किया

तमसा संकेत, एजेंसी

प्रयागराज। प्रयागराज में दो छोटे भाइयों ने मिलकर बड़े भाई की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। मृतक संतोष (45) शनिवार सुबह ही मुंबई से घर लौटा था। इस दौरान बचाव में आई उसकी भाभी भी घायल हो गई। हत्या के बाद दोनों आरोपी मौके से फरार हो गए।

चीख-पुकार सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया, जबकि घायल महिला को अस्पताल में भर्ती कराया।

मृतक की पत्नी अर्चना की तहरीर पर पांच नामजद लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई है। यह

वारदात मऊआइमा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह करीब 8 बजे हुई। ग्रामीणों ने बताया कि संतोष की पहली शादी वर्ष 1995 में हुई थी। हालांकि, कुछ साल बाद उनकी पहली पत्नी घर छोड़कर चली गई। इसके बाद संतोष ने वर्ष 2011 में अर्चना से दूसरी शादी की। संतोष और अर्चना के दो बेटे जय विश्वकर्मा (8) और जनमेजय (5) हैं। परिवार की आबादी की जमीन की अनुमानित कीमत करीब 5 लाख रुपए है।

युवक की हत्या की खबर फैलते ही मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जुट गई।

मकान बनवाने पर तनाव बढ़ गया

मऊआइमा के बादलपुर गांव का रहने वाला संतोष कुमार विश्वकर्मा मुंबई में फर्नीचर का काम करता था। संतोष के पिता नंद किशोर की मौत हो चुकी है। उनके चार बेटे हैं- संतोष, अशोक, विनोद और मनोज। इनमें संतोष सबसे बड़ा था। परिवार की कुल जमीन 4 विश्वा है, जिसमें चारों भाइयों का एक-एक विश्वा हिस्सा है। सभी भाई मुंबई में फर्नीचर का काम करते हैं। करीब दो महीने पहले अशोक और विनोद अपने गांव लौट आए और अपना मकान बनवाने का काम शुरू कर दिया। संतोष की पत्नी अर्चना ने बताया कि जमीन बंटवारे को लेकर करीब एक साल से विवाद चल रहा था। उन्होंने सभी से कहा था कि पहले जमीन का बंटवारा कर लिया जाए, उसके बाद ही मकान बनवाया जाए।

भाई की हत्या की, बचाने आई भाभी को भी पीटा

शनिवार सुबह करीब 7 बजे संतोष मुंबई से घर लौटा। जैसे ही वह घर के अंदर पहुंचा, अशोक और विनोद वहां अपना मकान बनवाने के लिए गड्ढा खुदवा रहे थे। इस पर संतोष ने कहा कि पहले बंटवारा हो जाने दो, फिर काम शुरू करना।

अर्चना ने बताया- इसके बाद अशोक और विनोद ने गाली-गलौज शुरू कर दी। संतोष को कुछ समझने का मौका भी नहीं मिला कि दोनों ने मिलकर उस पर हमला कर दिया। इसके बाद दोनों ने पास में रखी कुल्हाड़ी उठाकर संतोष पर वार किया और उसका सिर धड़ से अलग कर दिया। वारदात के बाद पूरे इलाके में खून फैल गया। बीच-बचाव करने पहुंची अर्चना पर भी हमला किया गया, जिससे वह घायल हो गईं।

महिला के शरीर में छूटा कॉटन/गॉज दो माह बाद यूरिन मार्ग से निकला टुकड़ा

प्रसव ऑपरेशन में लापरवाही का आरोप

> घटना सामने आने के बाद स्वास्थ्य विभाग भी हरकत में आया है। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अवधेश कुमार यादव ने बताया कि मामले की जांच के लिए टीम गठित की जाएगी। जांच रिपोर्ट के आधार पर यदि चिकित्सीय लापरवाही पाई जाती है तो संबंधित अस्पताल और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

तमसा संकेत, संवाददाता

बाराबंकी। जिले में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। बाराबंकी शहर स्थित एक निजी अस्पताल पर प्रसव ऑपरेशन के दौरान महिला के शरीर में कॉटन/गॉज छोड़ देने का गंभीर आरोप लगा है। घटना सामने आने के बाद पीड़िता के परिजनों में आक्रोश है और उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है।

जानकारी के अनुसार नगर पंचायत रामनगर निवासी अजय पांडेय की पुत्री शालू पांडेय को दो मार्च 2026 की रात प्रसव पीड़ा होने पर बाराबंकी शहर के खोया मंडी

स्थित न्यू सहारा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया था। परिजनों के मुताबिक पांच मार्च को अस्पताल में ऑपरेशन के माध्यम से शालू ने पुत्री को जन्म दिया। प्रसव के बाद कुछ दिन तक महिला अस्पताल में भर्ती रही और 13 मार्च को डिस्चार्ज कर दिया गया।

परिजनों का आरोप है कि घर लौटने के बाद से ही शालू को पेट में लगातार असहनीय दर्द, जलन और अन्य शारीरिक समस्याएं बनी रहीं। कई बार अस्पताल जाकर शिकायत की गई, लेकिन डॉक्टरों द्वारा सामान्य दिक्कत बताकर दवाएं दे दी गईं। आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन ने महिला की तकलीफ को गंभीरता से नहीं लिया।

संबंधित डॉक्टरों और स्टाफ के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग

परिजनों ने मामले से जुड़े मेडिकल दस्तावेज, जांच रिपोर्ट और बाहर निकले कॉटन/गॉज के फोटोग्राफ भी सुरक्षित होने की बात कही है। उन्होंने पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच कर अस्पताल प्रबंधन, संबंधित डॉक्टरों और स्टाफ के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है। इस घटना के बाद जिले में निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली और प्रसव ऑपरेशन की सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एक बार फिर सवाल उठने लगे हैं। लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य विभाग को निजी अस्पतालों की नियमित निगरानी और जांच करनी चाहिए ताकि मरीजों की जिंदगी से खिलवाड़ न हो सके।

सरयू नदी में टला हादसा

एसडीआरएफ और जल पुलिस की तत्परता से तीन युवकों की बची जान

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या । सरयू नदी में बड़ा हादसा टल गया। आज सुबह एसडीआरएफ व जल पुलिस की तत्परता से तीन लोगों की जान बच गई है। अयोध्या कोतवाली में शुक्रवार सुबह लगभग 6:30 बजे सरयू नदी में स्नान के दौरान तीन श्रद्धालु अचानक गहरे पानी में चले गए, जिससे घाट पर अफरा-तफरी मच गई।

सूचना मिलते ही ड्यूटी पर तैनात एसडीआरएफ एवं जल पुलिस टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों को सुरक्षित नदी से बाहर निकाल लिया।

जल पुलिस के अनुसार हरिओम मिश्रा पुत्र अमर कुमार उम्र 16 वर्ष निवासी डिकसीर थाना उमरी बेगमगंज जनपद गोंडा, गणेश दत्त पाठक पुत्र बहादुर पाठक उम्र 40 वर्ष निवासी फतेपुर नखरा थाना

कर्नलगंज जनपद गोंडा तथा पल्लवी पुत्री राज नारायण उम्र 19 वर्ष निवासी नखरा जनपद गोंडा स्नान करते समय अचानक गहरे पानी में चले गए थे।

मौके पर मौजूद एसडीआरएफ व जल पुलिस कर्मियों ने बिना समय गंवाए रेस्क्यू अभियान चलाकर तीनों को सुरक्षित बाहर निकाला। इसके बाद स्थानीय पुलिस एवं गौ सेवक रितेश मिश्रा द्वारा तत्काल श्री

राम अस्पताल पहुंचाया गया, जहां तीनों का उपचार चल रहा है।

स्थानीय लोगों एवं श्रद्धालुओं ने जल पुलिस और एसडीआरएफ की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए कहा कि समय रहते रेस्क्यू होने से एक बड़ा हादसा टल गया। जल पुलिस द्वारा श्रद्धालुओं से अपील की गई है कि सरयू नदी में स्नान करते समय सुरक्षा नियमों का पालन करें तथा गहरे पानी में जाने से बचें।

भंडाफोड़ : ग्रेटर नोएडा में सेंटर बनाया था, सिस्टम हैक कर प्रॉक्सी सर्वर से पेपर सॉल्व करते थे

एसएससी ऑनलाइन एग्जाम में नकल कराने वाले 7 अरेस्ट

7 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

तमसा संकेत, एजेंसी

नोएडा। यूपी STF ने कर्मचारी चयन आयोग (SSC) की ऑनलाइन परीक्षा में धांधली कराने वाले गिरोह का भंडाफोड़ किया है। नोएडा STF यूनिट ने शुक्रवार रात नॉलेज पार्क स्थित बालाजी डिजिटल जोन परीक्षा केंद्र पर छापा मारा।

मौके से गैंग के मास्टरमाइंड समेत 7 आरोपियों को दबोचा गया। इनमें एक अभ्यर्थी भी है। STF के मुताबिक, आरोपी CAPF, SSF कांस्टेबल (GD) और असम राइफल्स की राइफलमैन भर्ती परीक्षा- 2026 में प्रॉक्सी सर्वर से नकल करा रहे थे।

यह गिरोह ऑनलाइन परीक्षा सिस्टम को हैक नहीं करता था, बल्कि कंपनी के सर्वर को बायपास करके प्रॉक्सी सर्वर लगाता था। फिर स्क्रीन शेयरिंग एप्लिकेशन से बाहर बैठे सॉल्वर से पेपर हल करा लेते थे।

एसटीएफ नोएडा यूनिट ने नॉलेज पार्क स्थित बालाजी डिजिटल जोन परीक्षा केंद्र पर छापा मारा।

सेंटर संचालक निकला मास्टरमाइंड

मुख्य आरोपी प्रदीप चौहान ने STF को बताया- ग्रेटर नोएडा में वह बालाजी डिजिटल जोन परीक्षा केंद्र चलाता है। उसने मेरठ कॉलेज से एमकॉम किया है और लंबे समय से ऑनलाइन परीक्षाओं में धांधली करा रहा था। उसकी मुलाकात बागपत निवासी अमित राणा से हुई थी, जिसने परीक्षा केंद्र के सर्वर को बायपास कर बाहर से पेपर सॉल्व कराने की तकनीक विकसित की। आरोपी अरुण कुमार परीक्षा केंद्र पर आईटी हेड के तौर पर काम करता था और वही प्रॉक्सी सर्वर लगाने का काम संभालता था। बताया गया कि वह करीब ढाई साल पहले इसी सेंटर पर इनविजिलेटर बनकर आया था और बाद में गिरोह से जुड़ गया।

4 लाख में होता था 'पेपर सेट'

जांच में सामने आया कि गिरोह एक अभ्यर्थी से 4 लाख रुपए तक वसूलता था। बदले में परीक्षा पास कराने की गारंटी देता था। इसमें 50 हजार रुपए अभ्यर्थी लाने वाले एजेंट को दिए जाते थे, जबकि बाकी रकम प्रदीप चौहान, अमित राणा और सॉल्वर के बीच बांटी जाती थी। संदीप भाटी नाम के आरोपी का काम ऐसे अभ्यर्थियों को तलाशना था, जो पैसे देकर परीक्षा पास करना चाहते थे। वह अलग-अलग कंपनियों में लैब सुपरवाइजर के तौर पर काम कर चुका है।

अयोध्या में सांप के काटने से युवक की मौत

अयोध्या। अयोध्या जिले के खण्डासा थाना क्षेत्र अंतर्गत पूरे पांडेय बिनायकपुर गांव में शुक्रवार देर रात 32 साल के युवक की सांप के काटने से मौत हो गई। मृतक की पहचान बजरंगी पुत्र रोंघई के रूप में हुई है। वह मेहनत मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। जानकारी के अनुसार बजरंगी शुक्रवार रात मिल्कीपुर विधायक चंद्रभानु पासवान के यहां आयोजित भण्डारे से खाकर करीब 12:30 बजे अपने घर लौटे थे। घर पहुंचने के बाद जैसे ही वह सोने के लिए बिस्तर की ओर बढ़े, तभी वहां मौजूद एक विषैले सांप ने उन्हें डस लिया। अचानक हुई घटना से परिवार में अफरा-तफरी मच गई। परिजन तत्काल उन्हें उपचार के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रूदौली लेकर पहुंचे, लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिया। डॉक्टरों का कहना था कि अस्पताल पहुंचने में काफी देर हो चुकी थी। ग्रामीणों के मुताबिक बजरंगी बेहद मेहनती और शांत स्वभाव के व्यक्ति थे।

अयोध्या में टेम्प्रेचर 42 डिग्री सेल्सियस, तेज धूप निकली

लोग चेहरे पर कपड़ा बांधकर घरों से निकल रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

अयोध्या। अयोध्या में भीषण गर्मी का असर लगातार बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को जिले का अधिकतम तापमान 42 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है। सुबह 11 बजे के बाद ही सड़कों पर निकलना मुश्किल हो रहा है। दोपहर के समय बाजारों में भीड़ कम दिखाई दी और ज्यादातर लोग घरों में ही रहने को मजबूर नजर आए।

मौसम विभाग के अनुसार आने वाले तीन दिनों में गर्मी और बढ़ सकती है। आचार्य नरेंद्र देव कृषि प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मौसम वैज्ञानिकों ने बताया कि तापमान 42 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच रह सकता है। साथ ही 30 से 40 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से गर्म हवाएं चलने की संभावना है।

राम मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं

को गर्मी से राहत देने के लिए श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने राम जन्मभूमि पथ पर रेड कारपेट बिछाया है। इससे गर्म पत्थरों पर चलने में श्रद्धालुओं को कुछ राहत मिल रही है। हालांकि धूप से बचाव के लिए अभी भी पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने की बात सामने आ रही है।

गर्मी का सबसे ज्यादा असर खुले में काम करने वाले लोगों पर पड़ रहा है। मजदूर, रिक्शा चालक और ठेला लगाने वाले लोग तेज धूप में काम करने को मजबूर हैं। गर्म हवाओं के कारण पंखे भी राहत नहीं दे पा रहे हैं। लोग कूलर और एसी का सहारा ले रहे हैं।

अम्बेडकरनगर पुलिस की बड़ी कार्रवाई, एसओजी-स्वाट और जलालपुर पुलिस ने दबोचे अंतरजनपदीय तस्कर

नहर पुल पर रुकी सफेद अर्टिगा खुला 'नशे के नेटवर्क' का राज

शिकंजा

बृजेंद्र वीर सिंह

तमसा संकेत, अम्बेडकरनगर। त्योहारों से पहले जिले में नशे के कारोबार पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे अभियान के बीच पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 लाख रुपये कीमत की गांजे की खेप बरामद की है। जलालपुर नहर पुल के पास देर रात खड़ी एक सफेद अर्टिगा कार से 42.327 किलोग्राम अवैध गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने मौके से दो अंतरजनपदीय तस्करों को गिरफ्तार किया है।

देर रात जिले में एसओजी/स्वाट और थाना जलालपुर की संयुक्त टीम संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि नहर पुल के पास एक सफेद रंग की अर्टिगा कार में दो युवक भारी मात्रा में मादक पदार्थ लेकर खड़े हैं और सप्लाई की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने इलाके की घेराबंदी शुरू कर दी। अपर पुलिस अधीक्षक डॉ तेजवीर सिंह ने बताया कि आगामी त्योहारों के मद्देनजर जिले में लगातार चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी दौरान यह सफलता मिली है। उन्होंने कहा कि पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि गांजे की खेप कहां से लाई गई थी और जिले या आसपास किन लोगों तक इसकी सप्लाई की जानी थी। कोतवाली प्रभारी अजय प्रताप सिंह यादव ने बताया कि दोनों आरोपितों के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जेल भेज दिया गया है। बरामद मोबाइल फोन और कॉल डिटेल के जरिए नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की जानकारी जुटाई जा रही है।

कार की डिग्गी खुलते ही पुलिस भी रह गई सन्न

पुलिस जब मौके पर पहुंची तो संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान कार में रखी प्लास्टिक की बोरी से एक-एक कर गांजे के बंडल निकलने लगे। कुल 39 बंडल बरामद हुए, जिनका वजन 42.327 किलोग्राम निकला। बरामद गांजे की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 10 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार तस्कर गांजे की खेप को त्योहार के दौरान सप्लाई करने की तैयारी में थे। माना जा रहा है कि यह नेटवर्क कई जिलों तक फैला हो सकता है।

गोरखपुर और आजमगढ़ से जुड़े तार, पहले भी दर्ज है एनडीपीएस का मुकदमा

गिरफ्तार आरोपितों की पहचान राकेश यादव निवासी बुढहट थाना हरपुर जनपद गोरखपुर और अय्यूब निवासी हैदरपुर थाना अतरौलिया जनपद आजमगढ़ के रूप में हुई।

पुलिस ने दोनों के कब्जे से सफेद रंग की मारुति अर्टिगा कार, दो मोबाइल फोन और 2200 रुपये नकद भी बरामद किए हैं। जांच में सामने आया कि अय्यूब के खिलाफ पहले से एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज है। इससे पुलिस को अंदेशा है कि दोनों लंबे समय से मादक पदार्थ तस्करी के नेटवर्क से जुड़े हो सकते हैं।

कोतवाली अकबरपुर में फरियादियों की भीड़, जमीन विवादों पर डीएम-एसपी सख्त

थाना समाधान दिवस में मौके पर बनीं संयुक्त टीमें, लंबित मामलों पर मांगा जवाब

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। कोतवाली अकबरपुर में शनिवार को आयोजित थाना समाधान दिवस में एक बार फिर जमीन विवाद और अवैध कब्जे के मामले सबसे अधिक पहुंचे। सुबह से ही थाना परिसर में फरियादियों की भीड़ जुटी रही। किसी ने खेत की पैमाइश को लेकर शिकायत की तो किसी ने रास्ता बंद करने और कब्जे का आरोप लगाया। जिलाधिकारी ईशा प्रिया और पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने संयुक्त रूप से शिकायतें सुनते हुए कई मामलों में मौके पर ही कार्रवाई के निर्देश दिए। सुनवाई के दौरान जमीन से जुड़े मामलों की संख्या अधिक रही। इस पर जिलाधिकारी ने राजस्व और पुलिस विभाग के अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि ऐसे मामलों में संयुक्त टीम बनाकर मौके पर जाएं और दोनों पक्षों की मौजूदगी में

निष्पक्ष जांच करें। उन्होंने कहा कि लंबित विवादों को प्राथमिकता पर निस्तारित किया जाए ताकि छोटे विवाद आगे चलकर कानून व्यवस्था की समस्या न बनें। कुछ मामलों में शिकायतकर्ताओं ने पहले दिए गए प्रार्थना पत्रों पर कार्रवाई न होने की बात कही। इस पर जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों से तत्काल जवाब मांगा। कई मामलों में मौके पर ही राजस्व कर्मियों और पुलिस अधिकारियों को फोन कर स्थिति की जानकारी ली गई। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह ने महिला सुरक्षा और उत्पीड़न से जुड़े मामलों में तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि थाने पर आने वाले प्रत्येक फरियादी की शिकायत गंभीरता से सुनी जाए और तय समय के भीतर कार्रवाई हो। साथ ही पुलिसकर्मियों को संवेदनशील व्यवहार बनाए रखने की भी हिदायत दी गई।

थाना परिसर में सुबह से लगी रही भीड़

समाधान दिवस शुरू होने से पहले ही ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों से लोग अपनी शिकायतें लेकर कोतवाली पहुंचने लगे थे। जमीन के बंटवारे, सीमांकन, कब्जा, पारिवारिक विवाद और मारपीट से जुड़े मामलों को लेकर फरियादियों ने अधिकारियों के सामने अपनी बात रखी। कई लोग पुराने मामलों में कार्रवाई न होने की शिकायत लेकर भी पहुंचे।

फास्ट न्यूज

वाराणसी पहुंचे तेज प्रताप यादव

वाराणसी। जनशक्ति जनता दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेज प्रताप यादव शनिवार दोपहर 1 बजे वाराणसी पहुंचे। जहां उन्होंने बाबा विश्वनाथ धाम पहुंचकर के दर्शन-पूजन किया। मंदिर में उन्होंने विधि-विधान से पूज-अर्चना कर जलाभिषेक किया। पूजन के बाद तेज प्रताप मंदिर परिसर में करीब 15 मिनट रहे और 'ओम नमः शिवाय' का जप भी किया। दर्शन के बाद तेज प्रताप यादव ने कहा - काशी आकर उन्हें मानसिक शांति मिलती है, कई दिनों से मन भटक रहा था।

409 कुपोषित बच्चों को अधिकारियों ने लिया गोद

अंबेडकरनगर। जिले में कुपोषण और गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों की समस्या से निपटने के लिए प्रशासन ने विशेष पहल शुरू की है। आकांक्षी विकास खंड भीटी, भियांव और टांडा में सैम बच्चों के पोषण प्रबंधन को लेकर जिला प्रशासन ने अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की है। इसके तहत जिले के 197 अधिकारियों ने 409 सैम बच्चों को गोद लिया है। मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने बताया कि यह पहल जिलाधिकारी के निर्देशन में शुरू की गई है। इसका उद्देश्य गंभीर रूप से कुपोषित बच्चों के स्वास्थ्य, पोषण और नियमित देखभाल को सुनिश्चित करना है।

वाराणसी में कार ने मां-बेटे को रौंदा

वाराणसी। वाराणसी के मंडुवाडीह थाना क्षेत्र में शुक्रवार की देर रात तेज रफ्तार कार ने सड़क किनारे जा रहे मां-बेटे को रौंद दिया। कार से बचने के लिए मां बेटे को लेकर भागी लेकिन डिवाइडर होने से उसे बचा नहीं सकी। कार ने महिला और उसके मासूम बेटे को चपेट में ले लिया। हादसे में पांच वर्षीय बेटे की मौके पर मौत हो गई, वहीं लहूलुहान हालत में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसका इलाज जारी है।

सात साल बाद मालीपुर स्टेशन पर फिर सुनाई देगी पैसेंजर ट्रेन की सीटी

28 मई से वाराणसी-लखनऊ ट्रेन का ठहराव शुरू

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। लंबे इंतजार के बाद मालीपुर रेलवे स्टेशन के यात्रियों के लिए राहत भरी खबर सामने आई है। वाराणसी से लखनऊ तक चलने वाली अप और डाउन पैसेंजर ट्रेन अब 28 मई से मालीपुर रेलवे स्टेशन पर भी रुकेगी। इस निर्णय से क्षेत्र के छात्रों, नौकरीपेशा लोगों, मरीजों और रोजमर्रा यात्रा करने वाले यात्रियों में खुशी का माहौल है।

लॉकडाउन के दौरान वाराणसी से लखनऊ और बालामऊ तक चलने वाली पैसेंजर ट्रेन का संचालन बंद कर दिया गया था। इसके बाद से मालीपुर क्षेत्र के लोगों को यात्रा के लिए काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। छोटी दूरी तय करने वाले यात्रियों को या तो महंगे साधनों का सहारा लेना पड़ता था या फिर दूसरे स्टेशनों तक पहुंचना पड़ता था। स्थानीय लोगों के अनुसार यह पैसेंजर ट्रेन वर्षों से आम यात्रियों की जीवनरेखा मानी जाती रही है। सुबह-शाम नौकरी के लिए आने-जाने वाले कर्मचारी, प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्र, दर्शनार्थी और इलाज के लिए बड़े शहर जाने वाले मरीज सबसे अधिक इसी ट्रेन पर निर्भर रहते थे। पिछले वर्ष वाराणसी से लखनऊ और लखनऊ से वाराणसी के बीच पैसेंजर ट्रेन का संचालन दोबारा शुरू हुआ था, लेकिन मालीपुर स्टेशन पर ठहराव नहीं मिलने से लोगों में निराशा बनी हुई थी। लगातार मांग उठने के बाद अब रेलवे प्रशासन ने यहां ठहराव देने का निर्णय लिया है।

भैंस चराने निकली रूही की अमृत सरोवर में डूबकर मौत

डीएम आवास के सामने हुए हादसे से गांव में पसरा मातम

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। अकबरपुर थाना क्षेत्र के सैदापुर गांव में शनिवार सुबह एक दर्दनाक हादसे ने पूरे इलाके को गम में डुबो दिया। डीएम आवास के पास स्थित अमृत सरोवर में नहाते समय 13 वर्षीय किशोरी की डूबने से मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही गांव में अफरा-तफरी मच गई। परिजन बदहवास हालत में मौके पर पहुंचे, जबकि आसपास के लोगों की भीड़ सरोवर के किनारे जुट गई।

मृतका की पहचान पसिया पारा सैदापुर निवासी जितेंद्र कुमार की पुत्री रूही के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि रूही शनिवार सुबह घर से भैंस चराने के लिए निकली थी। इसी दौरान वह डीएम आवास

के सामने बने अमृत सरोवर के पास पहुंची। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक गर्मी के कारण वह सरोवर में नहाने उतर गई, लेकिन कुछ ही देर में गहरे पानी में चली गई और डूबने लगी।

स्थानीय लोगों के अनुसार शुरुआत में किसी को अंदाजा नहीं हुआ कि किशोरी गहराई में फंस गई है। जब काफी देर तक वह पानी से बाहर नहीं निकली तो आसपास मौजूद लोगों को शक हुआ। इसके बाद शोर मचाया गया और ग्रामीण सरोवर की ओर दौड़ पड़े। घटना की सूचना तत्काल पुलिस को दी गई।

सूचना मिलते ही अरिया चौकी पुलिस मौके पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से किशोरी को सरोवर से बाहर निकाला गया। उस समय उसकी हालत गंभीर बनी हुई थी। पुलिस और परिजन आनन-फानन में उसे जिला अस्पताल लेकर पहुंचे, लेकिन वहां मौजूद डॉक्टरों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया।

जैसे ही डॉक्टरों ने रूही को मृत घोषित किया, अस्पताल परिसर में परिवार के लोगों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया। मां बदहवास होकर बार-बार बेटी का नाम लेकर बिलखती रही।

बकरीद से पहले सक्रिय हुआ प्रशासन और एआईएमआईएम

रोशनी, सफाई और सुरक्षा व्यवस्था मजबूत करने की उठी मांग

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। आगामी बकरीद पर्व को लेकर टांडा और अलीगंज क्षेत्र में तैयारियां तेज होने लगी हैं। पर्व के दौरान भीड़ और आवाजाही को देखते हुए ऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (एआईएमआईएम) के प्रतिनिधिमंडल ने प्रशासनिक अधिकारियों से मुलाकात कर विभिन्न व्यवस्थाओं को बेहतर बनाने की मांग उठाई।

एआईएमआईएम के जिलाध्यक्ष गुलाम दस्तगीर अंसारी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने उपजिलाधिकारी, क्षेत्राधिकारी, प्रभारी निरीक्षक कोतवाली टांडा तथा थाना प्रभारी अलीगंज को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में पड़वा मंडी नैपुरा एकता ग्राउंड और अलीगंज सालारगढ़ क्षेत्र में बकरीद के अवसर पर जरूरी व्यवस्थाएं सुनिश्चित कराने की मांग की गई।

प्रतिनिधिमंडल ने कहा कि बकरीद के दौरान इन क्षेत्रों में बड़ी

संख्या में लोगों की आवाजाही होती है। ऐसे में साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था और ट्रैफिक नियंत्रण बेहद जरूरी है। ज्ञापन में विशेष रूप से स्ट्रीट लाइटों को दुरुस्त रखने, रात में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने और संवेदनशील स्थानों पर पुलिस बल तैनात करने की मांग की गई।

इसके साथ ही पर्व स्थल के आसपास प्रशासनिक कैंप लगाने और यातायात व्यवस्था सुचारु रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस की तैनाती की भी मांग उठाई गई।

नवजात की मौत के बाद फूटा परिवार का दर्द, निजी अस्पताल की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

'गोद में आई खुशियां कुछ घंटों बाद छा गया मातम'

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। घर में किलकारी गूंजी तो परिवार की आंखों में खुशियों के सपने उतर आए थे। परिजन नवजात बच्ची को लेकर भविष्य के अरमान संजो ही रहे थे कि कुछ ही घंटों बाद वही घर मातम में डूब गया। जिले के एक निजी अस्पताल में नवजात की मौत के बाद परिजनों ने डॉक्टर पर गंभीर लापरवाही का आरोप लगाया है। घटना के बाद परिवार में चीख-पुकार और आक्रोश का माहौल है। मामला सामने आने के बाद जिले के निजी अस्पतालों की व्यवस्था, एनआईसीयू संचालन और स्वास्थ्य विभाग की निगरानी पर भी सवाल उठने लगे हैं।

परिजनों ने आरोप लगाया कि अस्पताल में भर्ती के बाद उन्हें बच्ची

से मिलने तक नहीं दिया जाता था। दिन में सिर्फ एक बार दूर से देखने दिया जाता और हर बार यही कहा जाता कि "बच्चा ठीक है, परेशान होने की जरूरत नहीं है।" परिवार का आरोप है कि अस्पताल प्रबंधन लगातार वास्तविक स्थिति छिपाता रहा। जब परिजनों को डॉक्टर की नीयत पर शक हुआ और उन्होंने लगातार दबाव बनाना शुरू किया, तब 21 मई की रात अचानक बच्ची की हालत गंभीर बताई गई।

परिजनों के अनुसार 21 मई की रात करीब 10 बजे डॉक्टर ने आनन-फानन में एंबुलेंस बुलवाई और कहा कि बच्ची को तुरंत फैजाबाद ले जाना होगा। इसके बाद परिवार नवजात को लेकर फैजाबाद के कई अस्पतालों में भटकता रहा, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। उपचार के दौरान बच्ची की मौत हो गई। नवजात की मौत के बाद परिवार में कोहराम मचा हुआ है। परिजन बार-बार यही कहते नजर आए कि "जिस बच्ची को स्वस्थ बताकर गोद में दिया गया था, आखिर कुछ घंटों में उसकी हालत इतनी खराब कैसे हो गई?" घटना के बाद जिले के निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। सूत्रों के मुताबिक कई निजी अस्पतालों में एनआईसीयू में पर्याप्त प्रशिक्षित स्टाफ नहीं है।

बच्चा पूरी तरह स्वस्थ है कहकर भेजा गया था दूसरे अस्पताल

परिजनों के मुताबिक 19 मई 2026 को अकबरपुर स्थित एक अस्पताल में उनकी बेटी की डिलीवरी सकुशल हुई थी। परिवार का कहना है कि डिलीवरी कराने वाली चिकित्सक ने नवजात को पूरी तरह स्वस्थ बताया था। इसके बावजूद "सिर्फ एक बार दिखा लेने" की सलाह देकर उन्हें दूसरे अस्पताल भेजा गया।

परिजन बच्ची को लेकर शहर के एक निजी अस्पताल पहुंचे। आरोप है कि वहां डॉक्टर ने नवजात की स्थिति को लेकर परिवार को इतना डरा दिया कि घबराहट में उन्होंने तुरंत बच्ची को भर्ती करा दिया। परिवार का कहना है कि उस समय डॉक्टर की बातों ने उन्हें मानसिक रूप से पूरी तरह विचलित कर दिया था।

रात के अंधेरे में भटक गई ओडिशा की बेटी मिशन शक्ति टीम ने पहुंचाया

मुबारकपुर मोड़ पर अकेली बैठी मिली युवती, सूचना मिलते ही हरकत में आई पुलिस

तमसा संकेत, संवाददाता

अम्बेडकरनगर। रात का सन्नाटा गहराता जा रहा था। मुबारकपुर जयश्री मोड़ पर गुजरने वाले लोग अपने-अपने घरों की ओर बढ़ रहे थे, तभी सड़क किनारे अकेली बैठी एक युवती पर लोगों की नजर पड़ी। युवती सहमी हुई थी और उसकी हालत देखकर राहगीरों को कुछ अनहोनी की आशंका हुई। देर रात इसकी सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मिशन शक्ति टीम और रात्रि अधिकारी मौके पर पहुंचे और युवती को सुरक्षित अपने साथ कोतवाली टांडा ले आए।

पूछताछ में युवती ने अपना नाम रुकसार परवीन पुत्री रमजान खान निवासी ताराकोट थाना कोरई जनपद जाजपुर, ओडिशा बताया। उसकी उम्र करीब 18 वर्ष बताई गई। हालांकि वह मानसिक रूप से

असहज लग रही थी और अपने यहां तक पहुंचने के बारे में स्पष्ट जानकारी नहीं दे पा रही थी। पुलिसकर्मियों ने उससे धैर्यपूर्वक बातचीत की और उसके बताए मोबाइल नंबरों पर संपर्क शुरू किया। काफी प्रयास के बाद पुलिस टीम की बातचीत युवती के मामा शेख सिद्दीकी से हुई। उन्होंने बताया कि रुकसार अपनी मां के साथ दरगाह किछौछा में हाजिरी के लिए आई हुई थी और अचानक कहीं चली गई थी। बेटी के गायब होने के बाद परिवार पूरी रात उसकी तलाश में परेशान था। इसके बाद मिशन शक्ति टीम ने युवती की मां हयातून बीबी से संपर्क किया। सूचना मिलते ही वह तुरंत कोतवाली टांडा पहुंचीं। थाने में जैसे ही मां की नजर अपनी बेटी पर पड़ी, उनकी आंखें भर आईं। बेटी को सुरक्षित देखकर उन्होंने राहत की सांस ली। वहां मौजूद लोग भी मां-बेटी के इस मिलन को देखकर भावुक हो उठे। युवती की मां ने पुलिस को बताया कि रुकसार की मानसिक स्थिति ठीक नहीं रहती है और वह दरगाह किछौछा में रह रही थी। देर रात किसी तरह भटककर वह मुबारकपुर क्षेत्र तक पहुंच गई थी। मिशन शक्ति टीम ने सिर्फ औपचारिक कार्रवाई तक खुद को सीमित नहीं रखा। पुलिसकर्मियों ने युवती को भोजन कराया, क्योंकि वह काफी देर से भूखी थी।

अंबेडकरनगर में सघन वाहन चेकिंग अभियान जारी

एक मई से अब तक 4660 वाहनों का चालान

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाने और सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से पुलिस विभाग द्वारा सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस अधीक्षक प्राची सिंह के निर्देश पर अभियान के तहत लगातार वाहनों की जांच की जा रही है। शुक्रवार को भी जिले के विभिन्न स्थानों पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया, जिसमें 250 वाहनों का चालान किया गया। लिस विभाग के अनुसार, एक मई 2026 से जिले में यातायात नियमों के उल्लंघन के खिलाफ अभियान तेज किया गया है। अभियान के दौरान अब तक कुल 4660 वाहनों का चालान किया जा चुका है। इसके साथ ही विभिन्न मामलों में 83 वाहनों से 82 हजार 400 रुपये शमन शुल्क जमा कराया गया है। चेकिंग अभियान के दौरान

नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ सख्त कार्रवाई भी की जा रही है। अब तक नौ वाहनों को सीज किया गया है। वहीं शुक्रवार को एक वाहन से दो हजार रुपये शमन शुल्क जमा कराया गया। यातायात पुलिस द्वारा शराब पीकर वाहन चलाने वालों के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाया जा रहा है। पुलिस विभाग के मुताबिक, एक मई से अब तक 7580 वाहन चालकों की जांच की गई। जांच के दौरान 51 चालक शराब के नशे में वाहन चलाते पाए गए, जिनका चालान करते हुए उन पर कुल पांच लाख दस हजार रुपये जुर्माना लगाया गया।

मुठभेड़ : 25 हजार का इनामी बदमाश पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

तिलकटंडा की रात गोलियों से गूंजी

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जहांगीरगंज थाना क्षेत्र के तिलकटंडा के पास शुक्रवार की आधी रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस और बदमाशों के बीच मुठभेड़ हो गई। गोलियों की आवाज से आसपास का इलाका दहल उठा। जवाबी कार्रवाई में 25 हजार रुपये का इनामी गैंगस्टर अशोक लोना गोली लगने से घायल हो गया, जबकि उसका साथी भी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस के अनुसार शुक्रवार रात करीब 12:30 बजे जहांगीरगंज पुलिस और स्वाट टीम तिलकटंडा क्षेत्र में संयुक्त रूप से वाहन चेकिंग अभियान चला रही थी। इसी दौरान बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवक वहां पहुंचे। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया, लेकिन दोनों भागने लगे। घटनास्थल से पुलिस ने बिना नंबर की बाइक, एक तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। घायल अशोक को पुलिस सुरक्षा में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जहांगीरगंज पहुंचाया गया, जहां उसका उपचार कराया गया। अपर पुलिस अधीक्षक पूर्वी डा. तेजवीर ने बताया कि वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस टीम पर फायरिंग की गई थी। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश घायल हुआ है और दोनों आरोपितों को गिरफ्तार कर लिया गया है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आसपास के इलाकों में निगरानी बढ़ा दी। देर रात तक घटनास्थल पर पुलिस अधिकारियों की आवाजाही बनी रही। जहांगीरगंज पुलिस गिरफ्तार आरोपितों के खिलाफ आगे की विधिक कार्रवाई में जुटी रही।

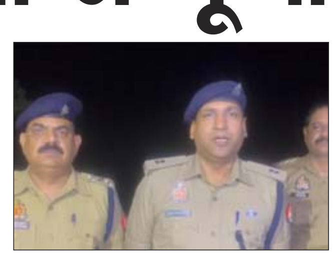

कॉम्बिंग में दूसरा साथी भी गिरफ्तार

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने पूरे इलाके में कॉम्बिंग शुरू की। इसी दौरान अशोक के साथी अमित लोना को भी गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस के मुताबिक दोनों गोकशी से जुड़े मामलों में लंबे समय से वांछित चल रहे थे।

भागते-भागते बदमाशों ने खोला मोर्चा, पुलिस ने संभाला मोर्चा

पुलिस के पीछा करने पर बदमाशों ने टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। अचानक हुई गोलीबारी से कुछ देर के लिए इलाके में तनाव की स्थिति बन गई। पुलिस टीम ने भी आत्मरक्षा में जवाबी फायरिंग की। जवाबी कार्रवाई में एक बदमाश के पैर में गोली लग गई और वह सड़क किनारे गिर पड़ा। घायल बदमाश की पहचान अशोक लोना के रूप में हुई। वह आलापुर थाना क्षेत्र के हथिनाराज गांव का रहने वाला है और गैंगस्टर एक्ट के मामले में फरार चल रहा था। पुलिस ने उस पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित कर रखा था।

गंगा दशहरा पर जिले में चलेगा गोवंश सुपुर्दगी अभियान

211 गोवंश पात्र परिवारों को सौंपे जाएंगे

तमसा संकेत, संवाददाता

अंबेडकरनगर। जिले में गंगा दशहरा के अवसर पर 25 मई को विशेष गोवंश सुपुर्दगी अभियान चलाया जाएगा। मुख्यमंत्री सहभागिता योजना के अंतर्गत आयोजित इस अभियान में जिले के विभिन्न निराश्रित गोवंश आश्रय स्थलों से 211 गोवंश पात्र लाभार्थियों को सुपुर्द किए जाएंगे। जिला प्रशासन ने कार्यक्रम को लेकर तैयारियां शुरू कर दी हैं।

मुख्य विकास अधिकारी आनंद कुमार शुक्ला ने बताया कि प्रदेश सरकार की मंशा के अनुरूप यह अभियान निराश्रित गोवंशों के संरक्षण, पशुपालन को बढ़ावा देने और ग्रामीण परिवारों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है। कार्यक्रम 25 मई को सुबह नौ बजे से दोपहर एक बजे तक आयोजित होगा।

अधिकारियों के अनुसार, योजना

के तहत गोवंश प्राप्त करने वाले लाभार्थियों को प्रति गोवंश प्रतिमाह 1500 रुपये आर्थिक सहायता भी दी जाती है। इससे पशुपालकों को गोवंश के पालन-पोषण में मदद मिलेगी। प्रशासन का मानना है कि इससे दुग्ध उत्पादन बढ़ने के साथ ग्रामीण परिवारों को स्वरोजगार का भी अवसर मिलेगा। अभियान को पोषण अभियान से भी जोड़ा गया है। बाल विकास एवं पुष्टाहार विभाग द्वारा चिन्हित कुपोषित बच्चों के परिवारों को प्रत्येक विकास खंड और नगर निकाय स्तर पर दो-दो गोवंश सुपुर्द करने का निर्णय लिया गया है।

सम्पादकीय

21वीं सदी में दहेज हत्याएं

यह दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक है कि 21वीं सदी के इस युग में भी दहेज प्रताड़ना और हत्या से जुड़े मामले सामने आते रहते हैं। इन दिनों ऐसे ही दो मामले चर्चा में हैं। एक नोएडा की त्विषा शर्मा की अपनी ससुराल भोपाल में संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का है और दूसरा ग्रेटर नोएडा की दीपिका नागर का।

दीपिका के स्वजन यह आरोप लगा रहे हैं कि उनकी बेटी की दहेज के कारण जान ले ली गई। भोपाल के मामले ने तो इतना तूल पकड़ा कि मध्य प्रदेश सरकार ने जांच सीबीआइ को सौंपने का फैसला किया। दीपिका के भी स्वजन अपनी बेटी की मौत के मामले की उच्चस्तरीय जांच की मांग कर रहे हैं। दीपिका के परिवार के लोगों की मानें तो उन्होंने उसकी शादी में एक करोड़ रुपये से अधिक खर्च किए और वर पक्ष को बहुत से उपहार दिए थे, फिर भी और दहेज की मांग हो रही थी। त्विषा शर्मा के ससुराल वालों पर भी दहेज प्रताड़ना के तहत मामला दर्ज किया गया है। ये दोनों ही परिवार आर्थिक रूप से संपन्न हैं, इसलिए इस नतीजे पर पहुंचने की विवशता है कि दहेज के मामले केवल गरीब-अशिक्षित परिवारों तक ही सीमित नहीं हैं। चूंकि दोनों ही मामलों की जांच जारी है, इसलिए अभी अंतिम निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा जा सकता।

इसलिए और भी नहीं, क्योंकि कई बार दहेज प्रताड़ना के आरोप मिथ्या होते हैं और यह भी किसी से छिपा नहीं कि दहेज निवारक अधिनियम उन कानूनों में से है, जिसका दुरुपयोग हो रहा है। इस दुरुपयोग को लेकर उच्च न्यायालयों से लेकर सर्वोच्च न्यायालय तक चिंता जता चुके हैं, लेकिन इसका यह भी अर्थ नहीं कि दहेज प्रताड़ना के सारे मामले झूठे होते हैं।

यह एक कटु सच्चाई है कि कई बार वधुएं दहेज के कारण इतना प्रताड़ित होती हैं कि वे आत्महत्या कर लेती हैं। तथ्य यह भी है कि दहेज हत्या के मामलों में सजा होती रहती है। ऐसे मामले सभ्य समाज के लिए शर्म की बात हैं। इससे कोई इन्कार नहीं कर सकता कि बेटी के विवाह में स्वेच्छा से उपहार देने वाले माता-पिता को कई बार वर पक्ष की बेजा मांगों को भी मानना पड़ता है।

वास्तव में ऐसे मामलों की गिनती करना कठिन है, जिनमें दहेज मांगा जाता है। कुछ मामलों में तो विवाह के बाद भी दहेज की मांग होती है। ऐसा उन युवतियों के साथ भी हो रहा है, जो नौकरी करती हैं। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के अनुसार 2024 में दहेज हत्या के 5,737 मामले दर्ज हुए। हमें यह सच स्वीकार करना होगा कि दहेज एक सामाजिक बुराई के रूप में हमारे बीच अब भी मौजूद है।

इस बुराई को केवल कानून के सहारे खत्म नहीं किया जा सकता। इसमें समाज का सहयोग आवश्यक है। दहेज प्रताड़ना और हत्या के मामले यही बताते हैं कि हम अभी आदर्श समाज बनने से दूर हैं।

आत्मानुशासन

हमारे मन में यह प्रश्न आ सकता हैं कि क्या जीवन में अनुशासन आवश्यक है? तो इसके उत्तर में कहा जा सकता हैं कि हां, जीवन में अनुशासन बहुत ज़रूरी है । अनुशासन से ही व्यक्ति सफलता पा सकता है। अनुशासन दो शब्दों - अनु+ शासन से मिलकर बना है । अनु का अर्थ पालन है और शासन का अर्थ नियमो का पालन करना होता है । हम अपनी आत्मा का संयम करें क्योंकि आत्मा का संयम करना बहुत मुश्किल काम होता हैं । दमितात्मा ही इहलोक और परलोक में सुखी होता हैं । वह जिसमें संतोष, सकरात्मक सोच और आत्मानंद के साथ आत्मानुशासन से भरा अध्यात्म रुपी खजाना होता है। उसको सब कुछ हासिल होता है । अनुशासन हमारे जीवन में बहुत महत्वपूर्ण है, यह हमें नियमों का पालन करना सिखाता है। आत्मनियन्त्रण, संयम, आत्मानुशासन इसके पर्याय हैं। हम मनुष्य सामाजिक प्राणी है, जो हम समाज में रहते है, और हमको इसमें रहने के लिए अनुशासन की आवश्यकता होती है। आत्मानुशासन बहुत महत्त्वपूर्ण तत्त्व है। शास्त्र में कहा गया है कि श्रेष्ठ वही है, जो आदमी स्वयं अपनी आत्मा पर अनुशासन कर ले। संयम और तप आदि के द्वारा स्वयं पर शासन करने का प्रयास हमको करना चाहिए। प्रश्न हो सकता है कि आत्मा पर अनुशासन कैसे हो? आत्मा अमूर्त है तो उस पर अनुशासन अथवा अपने पर अनुशासन कैसे हो सकता है? उत्तर देते हुए बताया गया कि आदमी पहले स्वयं की वाणी पर नियंत्रण करे। आदमी के पास बोलने की शक्ति होती है तो वह अच्छा और बुरा भी बोल सकता है। आदमी को अपनी जुबान पर लगाम लगाने का प्रयास करना चाहिए। आदमी को झूठ, कटु व बेमतलब आदि बोलने से बचने का प्रयास होना चाहिए। इसके द्वारा आदमी अपनी वाणी को साध सकता है।

› प्रदीप छाजेड़

गुजरात में बनेगा 'आत्मनिर्भर भारत' का पहला निजी उपग्रह

> यह अत्याधुनिक कारखाना साणंद के खोराज औद्योगिक क्षेत्र में बनाया जाएगा। इस कारखाने का उद्घाटन विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री अर्जुन मोढवाडिया ने किया। इस संयंत्र से कई चीजें जुड़ी हैं, जैसे केंद्र सरकार की 'आत्मनिर्भर भारत', 'मेक इन इंडिया' और गुजरात सरकार का 2047 तक विकसित गुजरात का लक्ष्य।

अहमदाबाद की धरती से डॉ विक्रम साराभाई का जो सपना था, वह साणंद की खोराज में साकार हो रहा है। अब तक उपग्रह निर्माण का कार्य पूरी तरह से सरकारी संगठन इसरो की जिम्मेदारी थी, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'आत्मनिर्भर भारत' और 'मेक इन इंडिया' अभियानों के तहत अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी भागीदारी के लिए खोल दिया गया है। इस क्रांति का केंद्र वर्तमान में गुजरात का साणंद है। साणंद में देश के पहले एकीकृत निजी उपग्रह निर्माण संयंत्र की आधारशिला रखी गई है। अजीस्ता स्पेस ने भारत की महत्वाकांक्षी 'इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल पेलोड फैक्ट्री' की आधारशिला रखी है।

इस परियोजना का मुख्य नाम इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल पेलोड फैक्ट्री है, जिसे कंपनी के आंतरिक संदर्भ में 'पामनारो' संयंत्र के नाम से भी जाना जाता है। यह भारत में निजी क्षेत्र की पहली एकीकृत उपग्रह निर्माण इकाई है, जहाँ उपग्रह का संपूर्ण उत्पादन यानी डिजाइन, इंजीनियरिंग, घटक निर्माण, संयोजन, एकीकरण, परीक्षण और प्रमाणीकरण सभी कार्य एक ही स्थान पर किए जाएंगे। यह संयंत्र उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजिंग, रिमोट सेंसिंग और मल्टीस्पेक्ट्रल कैमरों जैसे उन्नत ऑप्टिकल पेलोड पर ध्यान केंद्रित करेगा, जो कृषि, पर्यावरण, आपदा प्रबंधन और रक्षा जैसे नागरिक क्षेत्रों के लिए उपयोगी हैं। यह संयंत्र अहमदाबाद के साणंद स्थित खोराज औद्योगिक एस्टेट में स्थापित किया जाएगा, जहाँ प्लॉट संख्या के-19 से के-24/1 तक के क्षेत्र में कारखाने का निर्माण किया जाएगा। अजीस्ता स्पेस एक भारत-जर्मन संयुक्त उद्यम है, जिसमें अजीस्ता इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड (भारत, हैदराबाद स्थित) और बर्लिन स्पेस टेक्नोलॉजीज जीएमबीएच (जर्मनी) शामिल हैं। कंपनी के पास पहले से ही अहमदाबाद के साणंद जीआईडीसी, सरखेज-साणंद रोड स्थित प्लॉट नंबर 16 पर एशिया का पहला निजी उपग्रह कारखाना है, जो 30,000 वर्ग फुट के क्लीन रूम, एआईटी (असेंबली, इंटीग्रेशन और टेस्टिंग) लैब और परीक्षण सुविधाओं से सुसज्जित है। मौजूदा कारखाने की वार्षिक उत्पादन क्षमता 50 उपग्रहों की है, जिसे बढ़ाकर 250 तक किया जा सकता है। पावर सिस्टम, संचार और नियंत्रण इकाइयों जैसे 80 प्रतिशत से अधिक उप-प्रणालियों का निर्माण कारखाने के भीतर ही किया जाता है। इससे निर्माण समय में 250 गुना की कमी आती है और लागत में 40 गुना की बचत होना बताया जा रहा है। यह नया संयंत्र केवल पुर्जों या पेलोड के निर्माण के लिए ही नहीं, बल्कि बड़े पैमाने पर उत्पादन की तैयारी के लिए बनाया गया है। इससे मेगा-कॉन्स्टेलेशन (हजारों उपग्रहों के नेटवर्क, जैसे स्टारलिंक) के लिए त्वरित और सस्ती आपूर्ति संभव हो सकेगी। इस संयंत्र का मुख्य उद्देश्य निजी क्षेत्र द्वारा भारत में पूरी तरह से स्वदेशी उपग्रहों और उन्नत ऑप्टिकल पेलोड का उत्पादन करना है। जानकारों के अनुसार यह एक संपूर्ण एकीकृत सुविधा होगी, जहाँ डिजाइन से लेकर अंतिम उत्पादन, परीक्षण और प्रमाणीकरण तक सब कुछ एक ही छत के नीचे किया जाएगा। इस संयंत्र में अत्याधुनिक सुविधाएं होंगी, जैसे उन्नत क्लीन रूम, अंशांकन प्रयोगशालाएं और अनुसंधान एवं विकास केंद्र, जिससे विदेशी आयात पर निर्भरता कम होगी और भारतीय उपग्रह वैश्विक बाजार में प्रतिस्पर्धी बन सकेंगे। साणंद में अजीस्ता बीएसटी द्वारा स्थापित उपग्रह निर्माण इकाई केवल 'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' अभियानों के लिए एक परियोजना नहीं है, बल्कि एक संपूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र में बदलाव है। अब तक, भारत सुरक्षा और सीमा निगरानी के लिए अपने अत्याधुनिक उपग्रहों के लिए अक्सर विदेशी प्रौद्योगिकी या घटकों पर निर्भर रहता था। लेकिन अब स्थिति बदलेगी। इसके अलावा, जब कोई उपग्रह भारत में बनता है, तो उसका डिजाइन और उसके द्वारा भेजा गया डेटा पूरी तरह से भारतीय नियंत्रण में रहता है। सुरक्षा की दृष्टि से यह 'आत्मनिर्भरता' अत्यंत महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भारत अपनी आवश्यकता के अनुसार तेजी से छोटे उपग्रहों का निर्माण और प्रक्षेपण कर सकेगा, जो पहले संभव नहीं था। अजीस्ता का संयंत्र प्रति वर्ष 36 उपग्रहों का निर्माण कर सकता है। इसका अर्थ है कि भारत अब अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी का 'खुदरा विक्रेता' से 'थोक विक्रेता' बन रहा है। ऐसे सफल निजी उद्यमों को देखते हुए, अन्य विदेशी एयरोस्पेस कंपनियां भी भारत में निवेश करने और यहाँ कारखाने स्थापित करने के लिए प्रेरित होंगी। जानकारों की माने तो उपग्रह बनाना किसी एक कंपनी का काम नहीं है, इसके लिए हजारों छोटे-छोटे पुर्जों की आवश्यकता होती है। साणंद में संयंत्र की स्थापना से आसपास के सैकड़ों लघु एवं मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) को सेंसर, बोल्ट, पैनल और वायरिंग हार्नेस बनाने के ऑर्डर मिलेंगे। गुजरात पहले से ही इंजीनियरिंग और विनिर्माण के क्षेत्र में अग्रणी है। अब यहाँ के उद्योगों को अंतरिक्ष-स्तरीय पुर्जे बनाने का कौशल प्राप्त होगा, जो 'मेक इन इंडिया' की सबसे बड़ी उपलब्धि होगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, वैश्विक अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था में भारत की हिस्सेदारी फिलहाल केवल 2 प्रतिशत या 8.4 अरब डॉलर है। भारत सरकार 2033 तक इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 8 प्रतिशत से अधिक या 44 अरब डॉलर करना चाहती है । यह संयंत्र इसमें महत्वपूर्ण योगदान देगा। इसके अलावा, इसरो अब गगनयान और आदित्य एल1 जैसे बड़े मिशनों पर ध्यान केंद्रित कर सकेगा, जबकि साणंद जैसी निजी इकाइयाँ वाणिज्यिक उपग्रहों के निर्माण का काम संभालेंगी। यह विभाजन 'आत्मनिर्भर भारत' को और बढ़ावा देगा। 'आत्मनिर्भर भारत' का अर्थ 'आत्मनिर्भर युवा' भी है। अब तक भारत के सर्वश्रेष्ठ एयरोस्पेस इंजीनियर अवसरों की तलाश में नासा या स्पेसएक्स जैसी कंपनियों के लिए अमेरिका जाते थे। अब जब भारत की धरती पर, और वह भी गुजरात जैसे राज्य में, विश्व स्तरीय कारखाने मौजूद हैं, तो प्रतिभाशाली युवा भारत में ही रहेंगे और देश के लिए प्रौद्योगिकी का विकास करेंगे। यह परियोजना गुजरात को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और उच्च-तकनीकी विनिर्माण में राष्ट्रीय स्तर पर अग्रणी बनाएगी और इलेक्ट्रॉनिक्स, मैकेनिकल इंजीनियरिंग और रिमोट सेंसिंग जैसे क्षेत्रों में युवाओं के लिए बड़े पैमाने पर रोजगार सृजित करेगी।

रामस्वरूप रावतसरे

यदि केंद्र और राज्य ...

सौरभ वार्ष्णेय

अलनीनो से प्रभावित होने के बाद भारत के पास क्या इंतजाम ?

दुनिया भर में जलवायु परिवर्तन के बढ़ते प्रभावों के बीच अलनीनो एक बार फिर भारत के लिए चिंता का विषय बनता जा रहा है। प्रशांत महासागर के तापमान में असामान्य वृद्धि से उत्पन्न होने वाली यह मौसमी घटना भारतीय मानसून को सीधे प्रभावित करती है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में मानसून की थोड़ी-सी गड़बड़ी भी खेती, अर्थव्यवस्था, जल संकट और महंगाई पर व्यापक असर डालती है। ऐसे में सवाल उठना स्वाभाविक है कि यदि अलनीनो का प्रभाव गहराता है, तो भारत के पास इससे निपटने के लिए क्या इंतजाम हैं?

भारत का लगभग आधा कृषि क्षेत्र आज भी वर्षा पर निर्भर है। अलनीनो के कारण मानसून कमजोर पड़ता है, वर्षा कम होती है और कई राज्यों में सूखे जैसी स्थिति पैदा हो जाती है। इसका सीधा असर किसानों की आय, खाद्यान्न उत्पादन और ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर पड़ता है। यही नहीं, बिजली उत्पादन, पेयजल आपूर्ति और उद्योग भी प्रभावित होते हैं। इसलिए अलनीनो केवल मौसम की समस्या नहीं, बल्कि आर्थिक और सामाजिक चुनौती भी है।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों में भारत ने इस दिशा में कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। भारतीय मौसम विभाग अब पहले की तुलना में अधिक सटीक और समय रहते मौसम पूर्वानुमान जारी कर रहा है। उपग्रह तकनीक और आधुनिक वैज्ञानिक प्रणालियों के जरिए सरकार मानसून की स्थिति पर लगातार नजर रखती है। इससे राज्यों और किसानों को पहले से तैयारी करने में मदद मिलती है। कृषि क्षेत्र में भी बदलाव की कोशिशें की जा रही हैं। सरकार सूखा-रोधी बीजों को बढ़ावा दे रही है तथा किसानों को कम पानी वाली फसलों की ओर प्रेरित किया जा रहा है। ₹प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना₹ जैसी योजनाएं किसानों को प्राकृतिक आपदा से होने वाले नुकसान की भरपाई में सहारा देती हैं। इसके अलावा ₹प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना₹ के तहत ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी आधुनिक सिंचाई तकनीकों को प्रोत्साहित किया जा रहा है, ताकि कम पानी में अधिक उत्पादन संभव हो सके। जल संरक्षण की दिशा में भी कई प्रयास हो रहे हैं। ₹जल शक्ति अभियान, तालाबों के पुनर्जीवन, वर्षा जल संचयन और भूजल संरक्षण जैसे कार्यक्रमों पर सरकार विशेष ध्यान दे रही है। कई राज्यों ने स्थानीय स्तर पर जल प्रबंधन को मजबूत करने के लिए सामुदायिक भागीदारी भी बढ़ाई है। यह समझना जरूरी है कि भविष्य में जल ही सबसे बड़ी चुनौती बनने वाला है। ऊर्जा क्षेत्र में भी भारत अब केवल जलविद्युत पर निर्भर नहीं रहना चाहता। सौर और पवन ऊर्जा के विस्तार से ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने का प्रयास किया जा रहा है। यदि सूखे की स्थिति में जलाशयों का स्तर घटे, तब भी बिजली संकट को नियंत्रित किया जा सकेगा।

फिर भी यह कहना जल्दबाजी होगी कि भारत पूरी तरह तैयार है। आज भी कई ग्रामीण क्षेत्रों में सिंचाई की सुविधाएं सीमित हैं। जल संरक्षण योजनाएं कागजों से आगे नहीं बढ़ पातीं। किसानों तक समय पर सही जानकारी पहुंचाने में भी कई बार कमी दिखाई देती है। सबसे बड़ी चुनौती यह है कि जलवायु परिवर्तन अब पहले से अधिक अनिश्चित और गंभीर होता जा रहा है। अलनीनो जैसी प्राकृतिक घटनाएं हमें यह संदेश देती हैं कि विकास और पर्यावरण के बीच संतुलन बनाए बिना भविष्य सुरक्षित नहीं हो सकता। भारत को केवल राहत योजनाओं पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक रणनीति पर ध्यान देना होगा। जल संरक्षण, वैज्ञानिक खेती, हरित ऊर्जा और पर्यावरण सुरक्षा को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाना समय की मांग है।

यदि केंद्र और राज्य सरकारें, वैज्ञानिक संस्थान, किसान और आम नागरिक मिलकर जिम्मेदारी निभाएं, तो भारत अलनीनो जैसी चुनौतियों का मुकाबला मजबूती से कर सकता है। संकट बड़ा है, लेकिन तैयारी और सामूहिक प्रयास उससे भी बड़े हो सकते हैं।

विश्व मौसम व्यवस्था में होने वाले बदलावों का सबसे अधिक असर कृषि पर पड़ता है।

मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना से आत्मनिर्भर होकर लखीमपुर खीरी के अनिकेत वर्मा ने बदली अपनी तकदीर

उत्तर प्रदेश इन दिनों बदलाव की एक नई और प्रेरक कहानी लिख रहा है। राज्य के दूर-दराज के गांवों और कस्बों से निकलकर युवा अब केवल बड़े शहरों की ओर भागने, कड़े संघर्षों के बीच जीवन बिताने या सरकारी और प्राइवेट नौकरियों के लिए लंबी लाइनों में खड़े होने की पुरानी सोच को पीछे छोड़ रहे हैं। वे अपने ही गांव-घर में रहकर, स्थानीय संसाधनों का उपयोग करके अपने सपनों को सच कर रहे हैं। वे खुद के साथ-साथ दूसरों के लिए भी रोजगार के रास्ते खोल रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही स्वरोजगार की योजनाओं ने युवाओं के मन में वह भरोसा और संबल पैदा किया है, जिसकी बदौलत वे आज अपने पैरों पर खड़े होकर समाज में एक नई मिसाल पेश कर रहे हैं। ऐसा ही एक बेहतरीन और असरदार उदाहरण लखीमपुर खीरी जिले के पहाड़ापुर गांव में देखने को मिलता है, जहां के एक साधारण ग्रामीण परिवार के मेहनती युवक अनिकेत वर्मा ने अपनी मजबूत इच्छाशक्ति, कड़ी मेहनत और सरकारी मदद के बल पर एक सफल कारोबारी बनने का गौरव हासिल किया है। यह कहानी सिर्फ एक व्यक्ति के अमीर होने या उसकी तरक्की की नहीं है, बल्कि यह उस नई सोच का प्रमाण है जो नौकरी मांगने के बजाय नौकरी देने वाला और मालिक बनने में विश्वास रखती है।

लखीमपुर खीरी का यह छोटा सा गांव पहाड़ापुर भी देश के दूसरे आम गांवों जैसा ही था, जहां युवाओं की आंखों में बड़े-बड़े सपने तो होते थे, लेकिन कम साधनों, सही सलाह की कमी और पैसों की तंगी के कारण वे सपने समय से पहले ही टूट जाते थे। अनिकेत भी इसी माहौल में पले-बढ़े और उन्होंने भी शुरुआत में दूसरे युवाओं की तरह एक सुरक्षित भविष्य के लिए नौकरी पाने की सोची थी। उन्होंने कुछ समय तक नौकरी की तलाश भी की, लेकिन समय बीतने के साथ उन्हें यह अच्छी तरह समझ आ गया कि नौकरी में सीमित आय होती है और अपनी मर्जी से काम करने की आजादी नहीं मिल पाती। उनके मन में कुछ नया और अपना काम करने की गहरी इच्छा थी, जो न केवल उन्हें समाज में एक नई पहचान दिलाए, बल्कि उनके अपने क्षेत्र के लोगों के लिए भी कमाई का जरिया बन सके। ग्रामीण युवाओं की इसी इच्छा को पूरा करने के लिए प्रदेश सरकार की मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना एक बड़ा सहारा बनकर आई। यह योजना सिर्फ लोन देने का जरिया नहीं है, बल्कि यह उन प्रतिभावान और मेहनती युवाओं के लिए आगे बढ़ने का रास्ता है जो पैसों की कमी के कारण रुक जाते हैं और अपने अच्छे आइडिया को जमीन पर नहीं उतार पाते हैं।

अनिकेत ने इस योजना को अच्छे से समझा, इसके नियमों की जानकारी ली और आगे बढ़ने का पक्का फैसला किया। उन्होंने जिला प्रशासन के अंतर्गत आने वाले जिला उद्योग एवं उद्यमिता विकास केंद्र से संपर्क किया, जहां उन्हें सही रास्ता दिखाया गया। कागजी और प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के बाद, दिसंबर 2025 में उनके बिजनेस के लिए पच्चीस लाख रुपये का लोन पास हो गया। यह उनके जीवन का वह मोड़ था जहां उनका सपना हकीकत में बदल गया। बहुत से लोग मौका मिलने पर भी जोखिम उठाने से डर जाते हैं, लेकिन अनिकेत ने उस डर को पीछे छोड़ा और साहसिक कदम बढ़ाया।

जरा हटके

वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों...

रवि यादव, सूचना अधिकारी

प्रदेश की 51 नई आर्द्रभूमियों को संरक्षण हेतु मिली कानूनी सुरक्षा

उत्तर प्रदेश सरकार ने पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता संवर्धन की दिशा में एक और महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए राज्य की आर्द्रभूमियों के संरक्षण एवं प्रबंधन को लेकर कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए हैं। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार द्वारा आर्द्रभूमियों को संरक्षित करने के लिए लगातार प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं। हाल ही में हुई प्राधिकरण की बैठक में राज्य की 51 महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियों को आर्द्रभूमि (संरक्षण और प्रबंधन) नियम, 2017 के अंतर्गत अधिसूचित किए जाने पर सहमति प्रदान की गई। प्रदेश सरकार की यह पहल न केवल पर्यावरण संरक्षण बल्कि जल सुरक्षा, जैव विविधता संरक्षण और पारिस्थितिकीय संतुलन बनाए रखने की दिशा में भी अत्यंत महत्वपूर्ण है।

नमामि गंगे परियोजना के अंतर्गत गंगा तटीय क्षेत्रों में स्थित आर्द्रभूमियों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है। इसी क्रम में प्रदेश के 14 गंगा जनपदों - अलीगढ़, बदायूँ, कासगंज, प्रयागराज, कानपुर नगर, चंदौली, फर्रूखाबाद, उन्नाव, भदोही, मुजफ्फरनगर, बुलंदशहर, बलिया, बिजनौर तथा अमरोहा में फैली लगभग 750 हेक्टेयर क्षेत्रफल वाली 23 आर्द्रभूमियों को अधिसूचित करते हुए संस्तुति प्रदान की गई है। इन आर्द्रभूमियों को कानूनी संरक्षण मिलने से इनके अतिक्रमण, प्रदूषण तथा अवैध गतिविधियों पर प्रभावी रोक लगाई जा सकेगी। साथ ही इनके वैज्ञानिक संरक्षण एवं विकास का मार्ग भी प्रशस्त होगा। इसी प्रकार तकनीकी समिति द्वारा संस्तुत

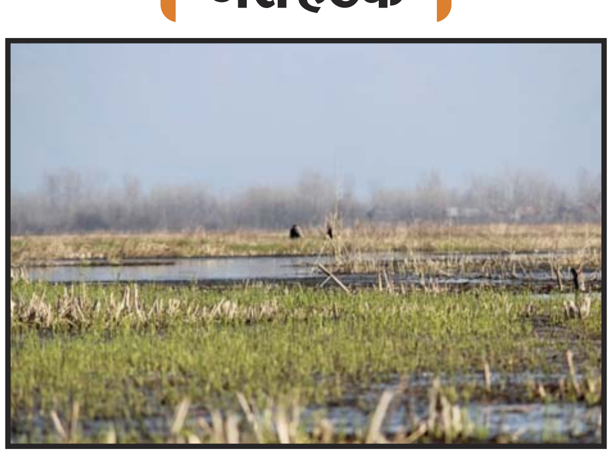

महराजगंज, बलरामपुर, अयोध्या, संतकबीरनगर तथा सिद्धार्थनगर जनपदों में स्थित कुल 28 आर्द्रभूमियों को भी अधिसूचित किया गया है। ये आर्द्रभूमियाँ लगभग 1130.653 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई हैं। तराई क्षेत्र की ये आर्द्रभूमियाँ जैव विविधता के लिहाज से अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती हैं। यहाँ बड़ी संख्या में प्रवासी पक्षी एवं दुर्लभ जलीय जीव पाए जाते हैं। इनके संरक्षण से पर्यावरणीय संतुलन को मजबूती मिलेगी। वैज्ञानिकों, विशेषज्ञों का मानना है कि ये आर्द्रभूमियाँ प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं। ये भूजल स्तर को बनाए रखने, बाढ़ नियंत्रण, जल शोधन तथा जलवायु संतुलन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। इसके साथ ही अनेक जीव-जंतुओं और पक्षियों का जीवन भी इन्हीं पर निर्भर करता है। वर्तमान समय में शहरीकरण, अतिक्रमण और प्रदूषण के कारण आर्द्रभूमियाँ तेजी से प्रभावित हो रही हैं। ऐसे में प्रदेश सरकार द्वारा इनके संरक्षण हेतु की जा रही पहल पर्यावरणीय दृष्टि से अत्यंत सराहनीय है। प्रदेश सरकार द्वारा आर्द्रभूमि संरक्षण के क्षेत्र में लगातार कार्य किए जा रहे हैं। प्रदेश के 09 जनपदों की 50 आर्द्रभूमियों में से 20 को प्रारंभिक स्तर पर अधिसूचित किया जा चुका है, जबकि शेष 30 आर्द्रभूमियों की प्रारंभिक अधिसूचना की प्रक्रिया जारी है। सरकार द्वारा आर्द्रभूमियों के संरक्षण के लिए वैज्ञानिक प्रबंधन, जनजागरूकता और स्थानीय समुदायों की सहभागिता पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। मा0 मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश सरकार पर्यावरण संरक्षण को लेकर निरंतर सक्रिय है। नमामि गंगे अभियान, व्यापक वृक्षारोपण कार्यक्रम, जल संरक्षण अभियान और आर्द्रभूमि संरक्षण जैसी योजनाएँ राज्य को पर्यावरणीय रूप से सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। प्रदेश सरकार का उद्देश्य विकास के साथ-साथ प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण भी सुनिश्चित करना है। आर्द्रभूमियों के संरक्षण की यह पहल इसी सोच को साकार करती है। आर्द्रभूमियों का संरक्षण भविष्य की जल और पर्यावरणीय चुनौतियों से निपटने में महत्वपूर्ण साबित होगा। इससे न केवल जैव विविधता सुरक्षित होगी बल्कि भूजल संरक्षण और जलवायु संतुलन को भी मजबूती मिलेगी। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उठाया गया यह कदम राज्य में पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि माना जा रहा है, जो आने वाले समय में सतत् विकास को मजबूती देगा।

उत्तर प्रदेश सरकार ने तेजी से बदलते पर्यावरणीय और सामाजिक परिदृश्य के बीच मानव-वन्यजीव संघर्ष जैसी गंभीर चुनौती से प्रभावी ढंग से निपटने की दिशा में ठोस कदम उठाये है। जंगलों के सीमित होते दायरे, बढ़ती आबादी और विकास परियोजनाओं के विस्तार के कारण वन्यजीवों और मानव बस्तियों के बीच संपर्क बढ़ा है। इसका परिणाम कई क्षेत्रों में संघर्ष के रूप में सामने आया है। ऐसे समय में प्रदेश सरकार अब इस चुनौती को केवल वन विभाग का विषय न मानकर सामाजिक, वैज्ञानिक और सामुदायिक दृष्टिकोण से देखने की दिशा में आगे बढ़ रही है।

प्रदेश सरकार की नीति है कि मानव-वन्यजीव संघर्ष का समाधान वन्यजीवों के उन्मूलन में नहीं, बल्कि मानव और वन्यजीवों के बीच संतुलित सहअस्तित्व स्थापित करने में है। यही कारण है कि अब संरक्षण के साथ-साथ जनसुरक्षा और सामुदायिक सहभागिता को समान महत्व दिया जा रहा है। सरकार की प्राथमिकता ऐसी व्यवस्थाएं विकसित करना है, जिनसे वन्यजीवों का प्राकृतिक आवास सुरक्षित रहे और ग्रामीण तथा वन क्षेत्र से जुड़े लोगों का जीवन भी प्रभावित न हो। प्रदेश में अब मानव-वन्यजीव संघर्ष प्रबंधन के लिए आधुनिक तकनीकों और वैज्ञानिक दृष्टिकोण को तेजी से बढ़ावा दिया जा रहा है।

मदरसों की गुणवत्ता सुधार और योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के सम्बन्ध में दिये गये निर्देश

राजभर एवं दानिश आजाद अंसारी ने की विभागीय कार्यों की समीक्षा

निर्देश

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर जी ने विभागीय अधिकारियों के साथ व्यापक समीक्षा बैठक कर योजनाओं की प्रगति, मदरसों की स्थिति तथा विभिन्न परियोजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की गयी। इस अवसर पर मा0 राज्यमंत्री श्री दानिश आजाद अंसारी भी उपस्थित रहे। बैठक में मा0 मंत्री जी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी योजनाओं को पारदर्शिता और समयबद्धता के साथ लागू किया जाए तथा शिक्षा और विकास कार्यों में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए। बैठक में मदरसों के आधुनिकीकरण और गुणवत्ता सुधार पर विशेष जोर दिया गया। मा0 मंत्री जी ने निर्देशित किया कि मदरसों के शिक्षकों और छात्रों को बायोमेट्रिक आधार से जोड़ा जाए तथा मदरसों में कार्यरत शिक्षकों के प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। साथ ही, मदरसों में पढ़ने वाले छात्रों को देश के स्वतंत्रता सेनानियों के बारे में शिक्षित करने के निर्देश भी दिये गये। उन्होंने स्पष्ट किया कि शासन की मंशा के अनुरूप अल्पसंख्यक समाज के शिक्षा, रोजगार और बुनियादी सुविधाओं के क्षेत्र में समग्र विकास को सुनिश्चित किया जाएगा। बैठक में प्रमुख सचिव, अल्पसंख्यक कल्याण एवं वक्फ विभाग उ0प्र0 श्रीमती संयुक्ता समद्दार, मुख्य कार्यपालक अधिकारी, उ0प्र0 सुन्नी सेण्ट्रल वक्फ बोर्ड, लखनऊ श्री मासूम अली सरवर, विशेष सचिव श्री शीलधर सिंह यादव, श्री प्राणेश चंद्र शुक्ला, निदेशक श्री अश्वनी कुमार पांडेय सहित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

बैठक में छात्रवृत्ति योजनाओं की प्रगति पर भी चर्चा की गई। वित्तीय वर्ष 2025-26 में पूर्वदशम एवं दशमोत्तर छात्रवृत्ति योजनाओं के अंतर्गत लगभग 5.89 लाख छात्र-छात्राओं को लाभान्वित किया गया तथा निर्धारित बजट का शत-प्रतिशत उपयोग सुनिश्चित किया गया।

मा0 मंत्री ओमप्रकाश राजभर जी, ने निलंबित मान्यता वाले मदरसों की स्थिति की भी समीक्षा की। बताया गया कि प्रदेश में कुल 560 राज्यानुदानित मदरसों में से 15 मदरसों की मान्यता निलंबित है। इस संबंध में मा0 मंत्री द्वारा निर्देश दिए गए कि मदरसों के मानक पूर्ण करने की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा कराया जाए तथा छात्रों की शिक्षा बाधित न हो, इसके लिए आवश्यक वैकल्पिक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं।

वर्तमान में 80 परियोजनाएं निर्माणाधीन

प्रधानमंत्री जन विकास कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित परियोजनाओं की समीक्षा करते हुए मा0 मंत्री जी ने बताया कि वर्तमान में 80 परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं तथा 36 परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं। इन परियोजनाओं में डिग्री कॉलेज, आईटीआई, पेयजल योजनाएं, सामुदायिक सेवा केंद्र एवं अन्य आधारभूत संरचना से जुड़े कार्य शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, विभाग के अधीन विभिन्न आयोगों, बोर्डों एवं अधिकरणों में रिक्त पदों पर शीघ्र नियुक्ति करने तथा वक्फ बोर्डों में नए अध्यक्ष एवं सदस्यों के नामांकन की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने के निर्देश भी दिये गये।

मा0 मंत्री श्री ओम प्रकाश राजभर जी ने अधिकारियों से कहा कि सभी योजनाओं की नियमित मॉनिटरिंग की जाए, परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण सुनिश्चित किया जाए तथा लाभार्थियों तक योजनाओं का लाभ समय पर पहुंचे, यह प्राथमिकता होनी चाहिए।

राहुल के खिलाफ प्रदर्शन प्रधानमंत्री को अपशब्द कहने पर भड़के सवर्ण

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ । सवर्ण मोर्चा से जुड़े लोगों ने शनिवार को कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के खिलाफ प्रदर्शन किया। उनका कहना था कि राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री को अपशब्द कहे। उसके बाद हमने लखनऊ में हमने उनके खिलाफ होर्डिंग लगाया। कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उस होर्डिंग को फाड़ दिया और अब सोशल मीडिया पर हमें जान से मारने की धमकी दे रहे हैं।

सवर्ण मोर्चा से जुड़े लोग राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कांग्रेस दफ्तर घेरने जा रहे थे। तभी पुलिस ने हजरतगंज के पास उन्हें रोक लिया। यहां पर प्रदर्शनकारियों ने पुलिस से बहस की। उनका कहना था कि राहुल गांधी की तुगलकी सेना की तरफ से लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। ऐसे लोगों पर ऐसी कार्रवाई हो कि लखनऊ में दिखाई न दें।

प्रदर्शन कर रहे विशाल कुमार सिंह ने कहा कि हमने 'राहुल गांधी हुए बेनकाब' का होर्डिंग लगवाया था, जिसके बाद कांग्रेसी बौखला गए। उस होर्डिंग में राहुल गांधी से कुछ सवाल किए थे जिसके बाद कांग्रेसी भड़क गए। अब उनकी तुगलकी सेना की तरफ से लगातार जान से मारने की धमकी दी जा रही है। हमारा सवाल यह था कि अगर देश के प्रधानमंत्री और गृहमंत्री को गद्दार कहा गया है तो क्या वह जनता भी गद्दार है जिसने उनका चुनाव किया है? प्रदर्शन कर रहे सवर्ण मोर्चा के उपाध्यक्ष बसंत सिंह बघेल ने कहा- अगर हमारे किसी साथी को हाथ लगा दिया तो हम उसको मुंहतोड़ जवाब देंगे। कांग्रेस के गुंडों ने हमारे संगठन के सदस्य को जान से मारने की धमकी दी है। उनके कार्यालय पर हम जाकर उन्हें जवाब देना चाहते थे।

फास्ट न्यूज

गोदाम में घुसकर दबंगों ने कर्मचारियों को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

लखनऊ। लखनऊ के बाजारखाला इलाके में दबंगों ने गोदाम में घुसकर कर्मचारियों पर लाठी डंडों से हमला कर दिया। गाड़ी छूने को लेकर विवाद हुआ था। इसके बाद दबंगों ने अपने साथियों को बुलाकर अचानक से हमला कर दिया। जिसमें कई लोग घायल हुए हैं। पुलिस मामले की जांच कर रही है। रेलवे कॉलोनी ऐशबाग निवासी राहुल कुमार कोल्ड ड्रिंक के गोदाम में काम करते हैं।

लखनऊ में पत्थर से टकराई स्कूटी

लखनऊ। लखनऊ में सड़क हादसे में उन्नाव जिला अस्पताल में तैनात ऑडियोलॉजिस्ट की मौत हो गई। स्कूटी सड़क पर पड़े पत्थर से टकरा गई, जिससे वह अनियंत्रित होकर गिर पड़े। गंभीर हालत में उन्हें अस्पताल पहुंचाया गया, जहां इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

मूलरूप से जौनपुर निवासी सुरेश कुमार पाल (40) तेलीबाग में शनि मंदिर के पास परिवार के साथ रहते थे। वह उन्नाव जिला अस्पताल में ऑडियोलॉजिस्ट के पद पर तैनात थे। परिवार में पत्नी श्वेता पाल, बेटी सेल्वी और बड़े भाई अखिलेश पाल हैं। बताया गया कि शनिवार सुबह वह वृंदावन कॉलोनी स्थित अपने निर्माणाधीन मकान से स्कूटी से घर लौट रहे थे।

जोनल अधिकारी की सीआर फाइल में रिमार्क लगाया

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम में सरकारी काम में लापरवाही बरतने पर कार्रवाई शुरू हो गई है। जनगणना-2027 स्वगणना के काम में ढिलाई बरतने पर नगर आयुक्त गौरव कुमार ने ज़ोन-7 के जोनल अधिकारी रामेश्वर प्रसाद के सर्विस रिकॉर्ड में परिनिंदा प्रविष्टि यानी आधिकारिक तौर पर खराब रिकॉर्ड दर्ज करने का का आदेश दिया है।

मॉर्निंग वॉक पर निकली महिला को वाहन ने कुचला, मौत

लखनऊ में हादसे के बाद चालक फरार

तमसा संकेत, एजेंसी

साधना, मृतका

दुबग्गा। लखनऊ के काकोरी क्षेत्र में शनिवार सुबह मॉर्निंग वॉक पर निकली एक महिला की मौत हो गई। तेज रफ्तार वाहन ने महिला को पीछे से टक्कर मारी, जिससे वह सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरी और दम तोड़ दिया। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। सीसीटीवी से महिला की तलाश जारी है। मृतका की पहचान काकोरी के गोलाकुआं स्थित रोशन लॉन के पास रहने वाली 38 वर्षीय साधना मौर्या के रूप में हुई है। साधना मौर्या शनिवार सुबह पड़ोस में रहने वाली गिरीशा मौर्य और गीता मौर्य के साथ मॉर्निंग वॉक पर निकली थीं। तीनों महिलाएं सड़क किनारे टहल रही थीं। इसी दौरान पीछे से आए तेज रफ्तार और अनियंत्रित अज्ञात वाहन ने साधना को जोरदार टक्कर मार दी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक टक्कर इतनी भीषण थी कि साधना करीब 15 फीट दूर उछलकर सड़क किनारे झाड़ियों में जा गिरीं। हादसे में उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में गिरीशा मौर्य भी मामूली रूप से घायल हो गईं। बताया जा रहा है कि अनियंत्रित वाहन के शीशे की चपेट में आने से वह बाल-बाल बच गईं, जिससे उन्हें हल्की चोटें आई हैं। वहीं गीता मौर्य सुरक्षित हैं। आसपास मौजूद लोगों और परिजनों ने साधना को तत्काल ऐरा अस्पताल पहुंचाया, लेकिन डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत 05 परियोजनाएं एस.एल.ई.सी. हेतु संस्तुत

खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में निवेश से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर

किसानों की आय बढ़ाने एवं युवाओं को रोजगार देने के लिए सरकार प्रतिबद्ध

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा है कि खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र किसानों, उद्यमियों एवं युवाओं के लिए अपार संभावनाओं वाला क्षेत्र है। यह सेक्टर न केवल किसानों की आय बढ़ाने में सहायक सिद्ध होगा, बल्कि बड़े पैमाने पर रोजगार सृजन का माध्यम भी बनेगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के निर्माण में खाद्य प्रसंस्करण उद्योग की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी।

उप मुख्यमंत्री ने उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत उपलब्ध सुविधाओं, अनुदानों एवं प्रोत्साहनों के संबंध में व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाया जाए, ताकि अधिक से अधिक उद्यमी इस क्षेत्र में निवेश के लिए आगे आएं। उन्होंने कहा कि उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण को बढ़ावा देकर किसानों के उत्पादों को बेहतर मूल्य दिलाना सरकार की प्राथमिकता है।

इसी क्रम में अपर मुख्य सचिव, उद्यान एवं खाद्य प्रसंस्करण विभाग श्री बी एल मीणा की अध्यक्षता में शुक्रवार को खाद्य प्रसंस्करण निदेशालय में उत्तर प्रदेश खाद्य प्रसंस्करण उद्योग नीति-2023 के अंतर्गत गठित अप्रेजल समिति की बैठक ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न निवेशकों ने अपने प्रस्तावों का प्रस्तुतीकरण किया तथा विभागीय अधिकारियों एवं तकनीकी विशेषज्ञों ने प्रस्तावों पर विस्तृत चर्चा की। अपर मुख्य सचिव श्री बी. एल. मीणा ने कहा कि प्रदेश में खाद्य प्रसंस्करण इकाइयों की स्थापना से कृषि आधारित उद्योगों को गति मिलेगी, किसानों की आय में वृद्धि होगी तथा स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

"बैठक में निर्देशित किया गया कि संबंधित इकाइयां स्थानीय कृषकों से प्राथमिकता के आधार पर कच्चे माल की खरीद सुनिश्चित करें। साथ ही, निवेशकों को फायर सेफ्टी, प्रदूषण नियंत्रण एवं अन्य आवश्यक तकनीकी अनापत्तियां सक्षम प्राधिकारी से प्राप्त करनी होंगी।

06 नवीन प्रस्तावों को अप्रेजल समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया

बैठक में अवगत कराया गया कि ऑनलाइन पोर्टल पर प्राप्त 06 नवीन प्रस्तावों को अप्रेजल समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया। परीक्षण उपरांत एक प्रस्ताव को अपूर्ण पाए जाने के कारण निरस्त कर दिया गया, जबकि 05 प्रस्तावों को आवश्यक शर्तों के साथ राज्य स्तरीय एम्पावर्ड कमेटी (एस.एल.ई.सी.) के समक्ष प्रस्तुत किए जाने की संस्तुति की गई। समिति द्वारा जिन परियोजनाओं को संस्तुत किया गया, उनमें कानपुर देहात में कार्बोनेट वाइन निर्माण इकाई, मुजफ्फरनगर में ऑर्गेनिक जैगरी क्यूब्स एवं ब्राउन/व्हाइट शुगर इकाई, एटा में चिकोरी प्रसंस्करण इकाई, बाराबंकी में फ्रोजन फूड्स एवं वेजिटेबल प्रसंस्करण इकाई तथा हाथरस में कुट्टू एवं सौंफ प्रसंस्करण इकाई की स्थापना से संबंधित प्रस्ताव शामिल हैं।

एसडीएम पत्नी से विवादों में रहे अनुपम मिश्रा बने यूपीपीसीएस उप सचिव

19 पीसीएस अफसरों के हुए तबादले

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ। यूपी सरकार ने शुक्रवार देर रात 19 पीसीएस अधिकारियों का तबादला कर दिया। कई अफसरों की नई तैनाती अलग-अलग जिलों और विभागों में की गई है। आलोक कुमार वर्मा को वाराणसी मंडल में अपर आयुक्त बनाया गया है। सृष्टि धवन को सुल्तानपुर का मुख्य राजस्व अधिकारी (CRO) नियुक्त किया गया है। सुशील प्रताप सिंह को लखनऊ के भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में कुलसचिव की जिम्मेदारी दी गई है। दुर्गेश मिश्रा को गोरखपुर नगर निगम में अपर नगर आयुक्त बनाया गया है।

मनोज कुमार सिंह को उन्नाव का नगर मजिस्ट्रेट नियुक्त किया गया है। चंदौली के एसडीएम अनुपम मिश्रा को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग में उप सचिव बनाया गया है।

मेरठ एडीएम सिटी बृजेश सिंह का पार्षद को धमकाने का एक वीडियो वायरल हुआ था।

वे हाल ही में अपने पारिवारिक विवाद को लेकर चर्चा में भी रहे थे। चंदौली में तैनात एसडीएम अनुपम मिश्रा को उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, प्रयागराज में उप सचिव के पद पर तैनात किया गया है। हाल ही में अनुपम मिश्रा और उनकी पत्नी, एसडीएम दिव्या ओझा के बीच चल रहे पारिवारिक विवाद सुर्खियों में रहा था। दिव्या ओझा के पिता ने अपने दामाद अनुपम मिश्रा पर गंभीर आरोप लगाए थे। शिकायत में कहा गया था कि शादी झूठ बोलकर की गई थी और अनुपम मिश्रा जन्मजात नपुंसक थे। आरोप है कि जब उनकी बेटी ने इस पर सवाल उठाया तो उसके साथ गाली-गलौज और मारपीट की गई थी। साथ ही दहेज में 20 करोड़ रुपये मांगे।

मेरठ एडीएम सिटी का तबादला रोका गया

प्रशासनिक कारणों के चलते मेरठ के एडीएम (नगर) बृजेश कुमार सिंह का प्रस्तावित तबादला रोक दिया गया है। उन्हें वर्तमान पद पर ही यथावत बनाए रखा गया है। बृजेश कुमार सिंह हाल ही में उस समय सुर्खियों में आए थे, जब मेरठ में नगर निगम के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे पार्षदों और ग्रामीणों के साथ उनकी तीखी नोकझोंक हो गई थी। इस घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ, जिसमें भीड़ और एडीएम सिटी के बीच बहस दिखाई दी। बहस के दौरान एडीएम सिटी की ओर से कथित तौर पर तीखी टिप्पणी भी सुनाई दी, जिसमें उन्होंने कहा- अभी तू मुझे जानता नहीं, 2 मिनट में उठा दूंगा, दिमाग खराब है क्या, मुझे तरीका सिखाएगा। जिसके बाद यह मामला और अधिक सुर्खियों में आ गया।

डाले की टक्कर से पलटा ई-ऑटो, दबकर व्यक्ति की मौत

लखनऊ। लखनऊ के दुबग्गा थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह तेज रफ्तार डाले ने ई-ऑटो को टक्कर मार दी। हादसे में एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। ट्रॉमा सेंटर में इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

मृतक की पहचान माल थाना क्षेत्र के नवीपनाहनगर के मोहम्मद कलीम (37) के रूप में हुई। वह प्राइवेट नौकरी करते थे। पिता लड्डन ने बताया कि दुबग्गा इलाके में छंदोइया ईदगाह के पास पेट्रोल पंप के सामने हादसा हुआ। मृतक के 2 मासूम बच्चे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक, डाले की टक्कर लगते ही ई-ऑटो पलट गया और उसमें बैठे कलीम गंभीर रूप से घायल होकर वहीं सड़क पर गिर गए। पेट्रोल पंप के कर्मियों ने पुलिस को शिकायत देते हुए घायल को ट्रॉमा सेंटर भिजवाया, जहां इलाज के दौरान कलीम ने दम तोड़ दिया।

लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद ने कलेक्ट्रेट घेरा

तमसा संकेत, एजेंसी

केजीएमयू स्थित दरियावाली मस्जिद का गेट तोड़ने की मांग, बोले- बुलडोजर बंद पड़ गया

लखनऊ। लखनऊ में विश्व हिंदू परिषद अवध प्रांत के सदस्यों ने शनिवार को KGMU परिसर में अतिक्रमण के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। जिला कलेक्ट्रेट पर जमा होकर नारेबाजी की। संगठन के सदस्यों ने केजीएमयू के गेट नंबर 24 के सामने बनी दरिया वाली मस्जिद के बगल में अतिक्रमण का आरोप लगाया। केजीएमयू परिसर के अंदर मजारों को अवैध बताकर उस पर बुलडोजर चलाने की मांग की। गले में भगवा गमछा डालकर पहुंचे तमाम कार्यकर्ता कलेक्ट्रेट परिसर में मुख्य द्वार पर बैठ गए। नारेबाजी करने लगे। काफी देर तक नारेबाजी करते हुए जमकर हंगामा और विरोध किया। इस दौरान कलेक्ट्रेट परिसर में पुलिसकर्मियों की संख्या बढ़ा दी गई। जिलाधिकारी के माध्यम से संबंधित विभागों को ज्ञापन भेजा गया। समरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा- केजीएमयू प्रशासन की तरफ से परिसर के अंदर बनी बाजार अवैध घोषित करने के बाद अब तक कार्रवाई क्यों नहीं हुई। परिसर के अंदर मजार है। सभी पर बुलडोजर कार्रवाई हो। केजीएमयू के गेट नंबर 24 के सामने दरिया वाली मस्जिद है। उसी के पास में पार्क बना हुआ है, जिस पर गेट नंबर 2 लिख दिया गया है। उसे मस्जिद का गेट बना दिया गया है।

संवाद : शिक्षा को राजनीति से दूर रखकर केवल छात्र हित में केंद्रित करने की जरूरत

योगी सरकार के नेतृत्व में शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार

तमसा संकेत, संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने शनिवार को 'एजुकेशन एंड करियर फेयर 2026' कार्यक्रम में सहभागिता कर विद्यार्थियों, अभिभावकों एवं शिक्षा क्षेत्र से जुड़े विशेषज्ञों के साथ संवाद किया। इस अवसर पर उन्होंने युवाओं को नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा तथा बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप स्वयं को तैयार करने के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम में उपस्थित युवाओं को संबोधित करते हुए मंत्री सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री के विजन 2047 के अनुरूप "विकसित भारत" के लक्ष्य को लेकर देश आगे बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत युवाओं का देश है और सरकार का प्रयास है कि हर युवा को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं सही दिशा प्राप्त हो, जिससे वह अपने भविष्य को बेहतर बना सके। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार शिक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ एवं परिणामोन्मुख बनाने के लिए लगातार कार्य कर रही है। शिक्षा पर किया गया व्यय कभी व्यर्थ नहीं जाता, बल्कि यह राष्ट्र निर्माण की सबसे मजबूत नींव होती है। मंत्री सिंह ने कहा कि पिछले वर्षों में शिक्षा क्षेत्र में व्यापक सुधार किए गए हैं। पहले की तुलना में अब शिक्षा व्यवस्था में सकारात्मक बदलाव दिखाई दे रहे हैं और सरकारी विद्यालयों के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ा है। उन्होंने कहा कि पहले जहां सरकारी स्कूलों को लेकर झिझक थी, वहीं अब स्थिति बदल रही है और अभिभावकों का रुझान बढ़ा है। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार का प्रयास है कि शिक्षा को राजनीति का माध्यम न बनने दिया जाए, बल्कि इसे केवल और केवल बच्चों के भविष्य निर्माण का साधन बनाया जाए।

सरकारी स्कूलों पर बढ़ा अभिभावकों का विश्वास

एजुकेशन एंड करियर फेयर 2026 में मंत्री संदीप सिंह ने युवाओं को नई शिक्षा नीति व कौशल विकास के लिए किया प्रेरित

विकसित भारत 2047 के विजन के अनुरूप युवाओं को तकनीकी एवं रोजगारपरक शिक्षा देने पर जोर

एनसीईआरटी आधारित पाठ्यक्रम और संरचनात्मक सुधार से शिक्षा गुणवत्ता में सुधार के सकारात्मक परिणामः मंत्री संदीप सिंह

शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए संरचनात्मक बदलाव

मंत्री सिंह ने बताया कि एनसीईआरटी आधारित पाठ्यक्रम को लागू किया गया है तथा शिक्षा के स्तर को सुधारने के लिए संरचनात्मक बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में सुधार के परिणाम विभिन्न सर्वेक्षणों में भी स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि उत्तर प्रदेश के प्रत्येक छात्र को आधुनिक शिक्षा, तकनीकी ज्ञान और रोजगारपरक कौशल उपलब्ध कराया जाए, जिससे वे राष्ट्रीय एवं वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धा कर सकें।

सास-दामाद सहित 3 गिरफ्तार महिलाओं के जेवर उड़ाते थे

तमसा संकेत, एजेंसी

मोहनलालगंज। लखनऊ में महिलाओं को निशाना बनाकर टप्पेबाजी करने वाले एक शातिर अंतरजनपदीय गिरोह का कृष्णानगर पुलिस ने खुलासा किया है। खास बात यह है कि गिरोह की सरगना बिंदु उर्फ चिंकी और गिरफ्तार आरोपी नरसिंह आपस में सास-दामाद हैं।

दोनों अपने साथी गीता देवी के साथ मिलकर राजधानी समेत कई शहरों में महिलाओं को निशाना बनाते थे। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से करीब 6 लाख रुपए कीमत की ज्वैलरी, 12 हजार रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल होने वाली बोलेरो गाड़ी बरामद की है।

पुलिस के मुताबिक,यह गिरोह भीड़भाड़ वाले चौराहों, मेट्रो स्टेशन और ऑटो स्टैंड के आसपास सक्रिय रहता था। आरोपी महिलाओं और छोटे बच्चों का सहारा लेकर लोगों का ध्यान भटकाते थे और फिर धक्का-मुक्की के बीच बड़ी सफाई से चैन, मंगलसूत्र और पर्स पार कर देते थे। एसीपी रल्लापल्ली वसंथ कुमार ने एसीपी कृष्णा नगर रजनीश वर्मा की मौजूदगी में प्रेस कांफ्रेंस करके बताया कि 20 और 22 मई को कृष्णानगर थाना क्षेत्र में टप्पेबाजी की लगातार तीन घटनाएं सामने आई थीं।

बिना नंबर प्लेट की बोलेरो से आते थे आरोपी

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह की सरगना बिंदु उर्फ चिंकी है। गिरोह के सदस्य अलग-अलग शहरों में होटल, किराये के कमरे या झुग्गियों में अस्थायी रूप से रहकर वारदात करते थे।आरोपी बिना नंबर प्लेट की बोलेरो गाड़ी से शहर में प्रवेश करते थे।

मथुरा में धूलभरी आंधी-बूंदाबांदी ■ गर्मी से बब्बर शेर बेहाल, हाथी स्विमिंग पूल में नहा रहा

यूपी में पारा 47 डिग्री सेल्सियस

अलर्ट

तमसा संकेत, एजेंसी

लखनऊ/वाराणसी। यूपी भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। पारा 45C के पार बना हुआ है। शनिवार सुबह प्रदेशभर में तेज धूप निकली। सुबह 9 बजे से 40 से ज्यादा शहरों में लू चल रही है। गाजियाबाद में हल्की बारिश हुई। मथुरा में दोपहर 3 बजे अचानक मौसम बदल गया। धूलभरी आंधी चली। बूंदाबांदी हुई। लेकिन, गर्मी से राहत नहीं मिली

मौसम की जानकारी देने वाली निजी वेबसाइट AQI वेदर के मुताबिक, दोपहर साढ़े 3 बजे दुनिया के सबसे गर्म 50 शहरों में भारत के 48 शहर हैं। इनमें से यूपी के 23 शहर हैं। प्रदेश में सबसे अधिक

तापमान मिर्जापुर में 47 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।

भीषण गर्मी से बाघ, भालू और हाथी भी बेहाल हैं। गोरखपुर चिड़ियाघर में बाघिन स्विमिंग पूल में बैठी दिखी। इटावा सफारी पार्क में बब्बर शेर और शेरनी पानी में खेलते दिखे। भालू छोटे तालाब में उतरकर गर्मी से राहत पाता दिखा। मथुरा के हाथी संरक्षण केंद्र में हाथियों को तरबूज और खीरे खिलाए जा रहे हैं। ORS घोल भी पिलाया जा रहा है। स्विमिंग पूल में एक हाथी नहाते हुए दिखा।

आज 48 जिलों में हीटवेव (लू) का अलर्ट है। इनमें से 4 जिलों (बांदा, चित्रकूट, कौशांबी और प्रयागराज) में रेड अलर्ट है। यानी यहां गर्म हवाओं की वजह से हालात गंभीर हो सकते हैं।

कानपुर में बादल छाए, धूप से राहत, उमस बरकरार

कानपुर में सुबह से तेज धूप के बीच दोपहर करीब 2 बजे मौसम ने करवट ली। बादल छाने से सूरज छिप गया। शहर में बदली जैसा मौसम होने से लोगों को भीषण धूप से हल्की राहत मिली। हालांकि, उमस बरकरार है। मौसम विशेषज्ञ डॉक्टर एसएन सुनील पांडे ने बताया कि बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आ रही नमी की वजह से बादल छाए हैं। बारिश की संभावना कम है।

बांदा में बाइक पर पेड़ की टहनियों और पत्तियों से बना छाता लगाकर निकला युवक

बांदा में भीषण गर्मी और लू से बचने के लिए एक युवक का अनोखा जुगाड़ सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। युवक ने बाइक पर पेड़ की टहनियों और पत्तियों से बना एक अस्थायी छाता लगाकर शहर में सफर किया।

■ सोनभद्र के पावर हाउसों में ट्रांसफॉर्मर्स को ठंडा रखने के लिए कूलर लगाए गए हैं।

लखनऊ के मौसम वैज्ञानिक अतुल कुमार सिंह ने बताया-पाकिस्तान के बलूचिस्तान और थार मरुस्थल से आने वाली सूखी और गर्म हवाएं सीधे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों तक पहुंच रही हैं। यही वजह है कि मई में ही जून जैसी भीषण गर्मी महसूस की जा रही है। दूसरी तरफ, मणिपुर की ओर से उत्तरी यूपी से होते हुए एक ट्रफ लाइन गुजर रही है। इसके चलते पुरवाई (पूर्व दिशा से चलने वाली हवा) चल रही है। इससे वास्तविक तापमान से 2C-3C ज्यादा गर्मी महसूस हो रही है। फिलहाल गर्मी और लू से राहत की उम्मीद नहीं है।

प्रेमी-प्रेमिका ने फोन पर बात करते-करते जान दी

कौशांबी में अपने-अपने घर में लगाई फांसी

तमसा संकेत, एजेंसी

कौशांबी। यूपी के कौशांबी में प्रेमी-प्रेमिका ने फोन पर बात करते हुए अपने-अपने घरों में आत्महत्या कर ली। शनिवार सुबह दोनों के शव फंदे से लटके मिले। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया कि कोमल पटेल (19) और प्रदीप पटेल (20) के बीच अफेयर था। लेकिन, घरवालों ने लड़की की शादी दूसरी जगह तय कर दी थी। इससे दोनों नाराज थे। इसी वजह से दोनों ने सुसाइड किया।

सीओ सत्येंद्र तिवारी ने बताया-हमें दो अलग-अलग नंबरों से आत्महत्या की सूचना मिली थी। मौके पर पहुंचे तो करीब 50 मीटर की दूरी पर एक लड़के और एक लड़की ने आत्महत्या की थी। पुलिस ने जब दोनों के मोबाइल चेक किए तो पता चला कि आखिरी बार दोनों

एक-दूसरे से मोबाइल पर रात तक बात कर रहे थे।

घटना जिला मुख्यालय से 18 किमी दूर कोखराज थाना क्षेत्र की है। लड़की का 15 जून को तिलक जाना था और 19 जून को बारात आनी थी। भरवारी नगरपालिका के रमचौरा गांव में कन्हैयालाल परिवार के साथ रहते हैं। वह रिक्शा चलाते हैं। कोमल के अलावा उनके दो बेटे मान, ज्ञान और दो बेटियां राजपति व रामरति हैं। ज्ञान सिंह को छोड़कर बाकी सभी की शादी हो चुकी है। कोमल सिर्फ 5वीं कक्षा तक पढ़ी थी।

फास्ट न्यूज

कानपुर किडनी कांड के 2 और आरोपी अरेस्ट

कानपुर। कानपुर पुलिस ने किडनी कांड के दो और आरोपियों को अरेस्ट कर लिया। पकड़े गए शातिर किडनी कांड के मास्टर माइंड की टीम का हिस्सा थे और किडनी ट्रांसप्लांट के दौरान डॉक्टरों की टीम में शामिल रहते थे। पकड़ा गया सैफुद्दीन ओटी टेक्निशियन था, जबकि दूसरा आरोपी अखिलेश तिवारी किडनी ट्रांसप्लांट करने वाले डॉक्टर को असिस्ट करता था।

कानपुर में महिला ई-रिक्शा चालक को 16 करोड़ का नोटिस

कानपुर। कानपुर में ई-रिक्शा चलाने वाली महिला को इनकम टैक्स ने 16 करोड़ रुपए का टैक्स नोटिस दे दिया। नोटिस देखकर महिला के पैरों तले जमीन खिसक गई और उन्हें समझ नहीं आया कि क्या करें। पीड़िता का आरोप है कि उसके आधार कार्ड, पैन कार्ड और अन्य दस्तावेजों का दुरुपयोग कर फर्जी तरीके से बैंक खाता खोला गया। इसी खाते में लगभग 13 करोड़ रुपए की खरीद-फरोख्त और करीब 3 करोड़ रुपए का अन्य लेनदेन दिखाया गया है। महिला का कहना है कि उसे इस खाते की कोई जानकारी भी नहीं हुई।

शादी का झांसा देकर रेप किया, फोटो वायरल की

रायबरेली। रायबरेली में शादी का झांसा देकर एक युवती से दुष्कर्म और उसकी आपत्तिजनक तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल करने के आरोपी को सलोन पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी को न्यायालय में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया है। यह पूरा मामला सलोन थाना क्षेत्र का है। पीड़िता ने पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया था कि रवि पटेल नामक युवक ने उससे शादी का वादा कर दुष्कर्म किया।

दूषित भंडारे का भोजन खाने से 12 गोवंश की मौत

तमसा संकेत, एजेंसी

मथुरा। थाना रिफाइनरी क्षेत्र के गांव भैंसा स्थित श्रीलक्ष्मीनारायण गोशाला में दूषित भोजन खाने से 12 गोवंश की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि सात अन्य गोवंश की हालत गंभीर बनी हुई है। घटना के बाद गांव में आक्रोश और तनाव का माहौल बन गया, जिसे देखते हुए पुलिस एवं प्रशासन ने मौके पर फोर्स तैनात कर दी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम पंचायत भैंसा के प्रधान जगन्नाथ के निधन के बाद बुधवार को मृत्युभोज का आयोजन किया गया था। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद बचे हुए मालपुए और अन्य खाद्य सामग्री को दो दिनों तक गांव में बांटने का प्रयास किया गया, लेकिन ग्रामीणों ने भोजन लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद बचा हुआ भोजन और सब्जी गांव की श्रीलक्ष्मीनारायण गोशाला में गायों को खिलाने के लिए भेज दिया गया।

बताया जा रहा है कि दो से तीन दिन पुराना और दूषित हो चुका भोजन खाने के बाद गोवंश की तबीयत बिगड़ने लगी। देखते ही देखते 12 गायों की मौत हो गई, जबकि करीब सात गोवंश का उपचार जारी है।

'भूत-प्रेत नहीं होते, ये सिक्जोफ्रेनिया है'

कानपुर में डॉक्टरों ने कहा- मौलवी की झाड़-फूंक से नहीं, इलाज से ठीक हो सकती है ये बीमारी

तमसा संकेत, एजेंसी

कानपुर। रात के अंधेरे में पीछे से किसी के आने का डर लगना या कोई आवाज सुनाई देना सामान्य बात हो सकती है। लेकिन जब कोई इंसान यह जानते हुए भी कि आसपास कोई नहीं है, अजीब आवाजें सुनने लगे, तो लोग इसे भूत-प्रेत का साया या टोना-टोटका मान लेते हैं। लोग मौलवी और पुजारियों के चक्कर में पड़कर झाड़-फूंक कराने लगते हैं।

मानसिक रोग विशेषज्ञ के पास जाने से सिर्फ इसलिए बचते हैं, क्योंकि उन्हें लगता है कि वे कोई पागल थोड़ी हैं। एलएलआर अस्पताल के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. धनंजय चौधरी ने कहा कि यह कोई ऊपरी चक्कर नहीं, बल्कि 'स्किजोफ्रेनिया' नाम की एक गंभीर मानसिक बीमारी है, जिसका इलाज पूरी तरह संभव है। अब ऐसे मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। इस बीमारी के मरीजों की संख्या बढ़कर 18% तक पहुंच गई है। इस बीमारी की शुरुआत में व्यक्ति के व्यवहार में अचानक बदलाव आ जाता है और वह अनर्गल बातें करने लगता है। कई बार मरीज को खाना दिया जाए तो वह उसे खाने के बजाय शरीर पर लपेटने लगता है। इस अजीब व्यवहार के साथ ही वह अकेले में बैठकर खुद से बातें करने लगता है, बुदबुदाता है, अचानक गुस्सा हो जाता है या बिल्कुल चुप हो जाता है। मरीज को यह गंभीर शक होने लगता है कि लोग उसके पीछे पड़े हैं, उसका पीछा कर रहे हैं या उसे मारना चाहते हैं। उसे यह भी लगने लगता है कि उसकी बातें लोग सुन रहे हैं और जो वह सोच रहा है, उसे सब जान रहे हैं।

कोरोना काल का एक हैरान करने वाला मामला

डॉक्टरों के पास इस बीमारी के कई चौंकाने वाले केस आते हैं। कोविड काल का एक मामला ऐसा भी आया, जहां परिवार के एक सदस्य की मौत के बाद भी बीमारी के असर में शव को करीब दो साल तक घर में ही संभालकर रखा गया। उस पर लेप लगाया जाता रहा और घरवाले यही सोचते रहे कि वह मरे नहीं हैं, बल्कि जिंदा हैं और बात करते हैं। आज स्थिति यह है कि सिर्फ कानपुर ही नहीं, बल्कि गोरखपुर, जबलपुर, ग्वालियर, बांदा और गोंडा जैसे दूर-दराज के इलाकों से भी ऐसे मरीज इलाज के लिए बड़े डॉक्टरों के पास पहुंच रहे हैं और ठीक हो रहे हैं।

मनोरोग के मरीजों में 18% स्किजोफ्रेनिया के शिकार

एलएलआर अस्पताल के मनोरोग विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. धनंजय चौधरी ने बताया कि मनोरोग विशेषज्ञों के पास आने वाले कुल मरीजों में करीब 18 फीसदी मरीज स्किजोफ्रेनिया से पीड़ित होते हैं। राहत की बात यह है कि नियमित दवा लेने से ज्यादातर मरीज पूरी तरह स्वस्थ हो जाते हैं। कुछ मामलों में चार-पांच साल दवा चलने के बाद इसे बंद भी कर दिया जाता है। वहीं, कुछ मरीजों में बीपी या शुगर की तरह दवाएं लंबे समय तक चलती हैं, जिससे बीमारी पूरी तरह नियंत्रण में रहती है और मरीज सामान्य व प्रोडक्टिव जीवन जी सकता है। वह अपना काम कर सकता है और पैसे भी कमा सकता है।

■ जानकारी देते हुए GSVM मेडिकल कॉलेज के HOD डॉ. धनंजय चौधरी

प्रतापगढ़ में जज पैदल कोर्ट पहुंचे, महाराजगंज में तेल की किल्लत, पंप पर सो रहे लोग

तेल बचाने के लिए बीजेपी विधायक घोड़े पर चल रहे

तमसा संकेत, एजेंसी

महराजगंज । पेट्रोल-डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। पेट्रोल के दाम 87 पैसे और डीजल के दाम 91 पैसे प्रति लीटर बढ़े हैं। नई दरें लागू होने के बाद लखनऊ में पेट्रोल 99.26 रुपए और डीजल 92.63 रुपए प्रति लीटर मिल रहा है।

महज 9 दिनों के भीतर ईंधन की कीमतों में तीसरी बार बढ़ोतरी हुई है। इससे पहले, 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दामों में औसतन 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। वहीं, 15 मई को कीमतों में 3 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी हुई थी।

इधर, महाराजगंज में कई पेट्रोल पंपों पर पांचवें दिन भी लाइन है। लोग बड़े-बड़े कंटेनर लेकर पहुंच रहे हैं। रात के वक्त लोग पंपों के बाहर मच्छरदानी लगाकर सो रहे हैं। ताकि सुबह पंप खुलते ही डीजल ले सकें। एक पंप पर शुक्रवार देर रात डीजल न मिलने पर किसानों ने पंप कर्मचारियों को पीट दिया। यूपी में पीएम मोदी की ईंधन बचाने की अपील के बीच प्रतापगढ़ के जिला जज राजीव कमल पांडे समेत सभी न्यायिक अधिकारी एक किलोमीटर पैदल चलकर कोर्ट पहुंचे। वहीं, शाहजहांपुर की कटरा सीट से भाजपा विधायक वीर विक्रम सिंह उर्फ प्रिंस अपनी फॉर्च्यूनर छोड़कर घोड़े पर सवार होकर कार्यक्रम में जा रहे हैं। उनका गनर भी उनके साथ दूसरे छोड़े पर चल रहा है।

■ शाहजहांपुर से भाजपा विधायक वीर विक्रम सिंह उर्फ प्रिंस घोड़े पर सवार होकर कार्यक्रम में जा रहे हैं।

प्रतापगढ़ जिला जज राजीव कमल पांडे समेत सभी न्यायिक अधिकारी एक किलोमीटर पैदल चलकर कोर्ट पहुंचे। जिला जज ने कहा कि अगर हर व्यक्ति थोड़ी-थोड़ी पहल करे, तो ऊर्जा संकट से निपटने में महत्वपूर्ण सहायता मिलेगी।

यूपी सरकार का आदेश- साइकिल के लिए अलग ट्रैक बनाए जाएं

ऊर्जा संकट को देखते हुए योगी सरकार ने 21 मई को सरकारी अधिकारियों की गैर-जरूरी विदेश यात्राओं पर 7 महीनों के लिए रोक लगा दी है। साथ ही शहरों में 5 से 10 किलोमीटर के दायरे में साइकिल चलाने के लिए अलग ट्रैक बनाने को कहा है। ऐसे ही 10 साल से पुराने सरकारी वाहनों, जनरेटर और दफ्तरों की बिजली खपत की जांच कराई जाएगी।

योगी ने मंत्रियों-विधायकों का काफिला घटाने समेत 7 बड़े फैसले लिए थे

योगी सरकार ने पिछले हफ्ते मंगलवार को 7 बड़े फैसले लिए थे। मुख्यमंत्री, मंत्रियों, विधायकों और अफसरों का काफिला 50% तक घटा दिया जाएगा। हफ्ते में एक दिन इन्हें पब्लिक ट्रांसपोर्ट या बस-मेट्रो से चलने को कहा गया। सभी सरकारी बैठकें, सेमिनार, कॉन्फ्रेंस, वर्कशॉप वर्चुअल करने और राज्य सचिवालय की 50% बैठकें वर्चुअल कराने का फैसला लिया गया था। सीएम ने कहा था कि जिन कंपनियों में बड़ी संख्या में कर्मचारी हैं, उन्हें सप्ताह में दो दिन वर्क फ्रॉम होम के लिए राज्य स्तर पर एडवाइजरी जारी की जाए।

ठकुरानी घाट पर स्नान के दौरान किशोर यमुना में डूबा, तलाश जारी

तमसा संकेत, संवाददाता

मथुरा। महावन थाना क्षेत्र के अंतर्गत गोकुल स्थित ठकुरानी घाट पर शनिवार सुबह यमुना में स्नान के दौरान एक किशोर गहरे पानी में डूब गया। घटना के बाद घाट पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही पुलिस, पीएसी एवं एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंच गई और किशोर की तलाश शुरू कर दी गई है। जानकारी के अनुसार मध्यप्रदेश के बैतूल कोतवाली क्षेत्र के गांव वाजपुर निवासी रेवाराम अपने परिवार के साथ थाना बल्देव क्षेत्र के गांव बरोली में रिश्तेदारी में जा रहे थे। रास्ते में परिवार गोकुल बैराज के समीप ठकुरानी घाट पर रुका, जहां सभी लोग यमुना में स्नान करने लगे। बताया गया है कि स्नान के दौरान रेवाराम का पुत्र हरिओम अचानक पैर फिसलने से गहरे पानी में चला गया और देखते ही देखते यमुना में डूब गया। परिजनों द्वारा शोर मचाने पर आसपास मौजूद लोगों ने उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिल सकी। घटना की सूचना पर स्थानीय पुलिस, पीएसी और एसडीआरएफ की टीम मौके पर पहुंची और किशोर की तलाश के लिए रेस्क्यू अभियान चलाया जा रहा है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

पृष्ठ 01 का शेष...

लापरवाही पर चला ...

साथ ही उन्हें मेरठ मुख्यालय से अटैच कर दिया गया है। मेरठ में कार्यरत एग्जीक्यूटव इंजीनियर योगेश कुमार को भी सस्पेंड कर दिया गया है। दोनों अधिकारियों पर विभागीय काम में लापरवाही का आरोप लगा है। शनिवार को हुई इस कार्रवाई को पावर कारपोरेशन में जवाबदेही और अनुशासन सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। वहीं इस मामले में उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा ने कहा कि बार-बार खराबी और दोष दुरुस्त करने में देरी से उपभोक्ताओं की परेशानी बढ़ रही है, केवल बिजली की उपलब्धता ही मुद्दा नहीं है। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भी बिजली की मांग और दाम तो बढ़ रहे हैं, लेकिन आपूर्ति नहीं बढ़ रही। उन्होंने सरकार की नई उत्पादन क्षमता को लेकर योजना पर सवाल उठाए। इन सबके बीच प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने मांग की कि सरकार 2017 से पहले और अब तक के बिजली उत्पादन का श्वेत पत्र जारी करे। उन्होंने कहा कि जनता को पता चलना चाहिए कि पिछले नौ साल के शासन में भाजपा सरकार ने कितनी नई बिजली उत्पादन क्षमता तंत्र से जोड़ी। विपक्ष के आरोपों पर एके शर्मा ने कहा कि देश और प्रदेश दोनों में बिजली की मांग ऐतिहासिक स्तर पर पहुंच गई है। शर्मा ने कहा, समाजवादी दल की सरकार में 2012 से 2017 के बीच प्रदेश में बिजली की औसत मांग करीब 13,000 मेगावाट थी। आज यह 30,000 मेगावाट को पार कर गई है और हम पूरी मांग को पूरा कर रहे हैं।

चीन की कोयला ...

हैरानी की बात यह है कि हादसे के तुरंत बाद शिन्हुआ ने शुरुआती रिपोर्ट में सिर्फ आठ मौत की जानकारी दी थी और कहा था कि 200 से ज्यादा मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया है। बाद में अचानक मृतकों की संख्या बढ़कर 82 बताई गई। सरकारी मीडिया ने यह साफ नहीं किया कि आंकड़ा इतनी तेजी से कैसे बढ़ा। चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने हादसे के बाद बचाव टीमों को लापता लोगों को खोजने के लिए हर संभव कोशिश करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि हादसे के जिम्मेदार लोगों को बख्शा नहीं जाएगा। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, खदान के अंदर कार्बन मोनोऑक्साइड गैस का स्तर काफी ज्यादा बढ़ गया था। माना जा रहा है कि इसी वजह से विस्फोट हुआ। फिलहाल हादसे के असली कारण की जांच की जा रही है।

ट्रम्प ने पीएम मोदी ...

न्यूज एजेंसी ANI के मुताबिक दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, रणनीतिक तकनीक और इंडो-पैसिफिक सहयोग समेत कई मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में पश्चिम एशिया की स्थिति और ईरान संकट पर भी बातचीत हुई।

बैठक में विदेश मंत्री एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, भारत में अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर और अमेरिकी अंडर सेक्रेटरी एलिसन हूकर भी मौजूद थीं।

रूबियो की यह यात्रा अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के चीन दौरे के सिर्फ 7 दिन बाद हो रही है। ऐसे में अमेरिकी मीडिया का कहना है कि रुबियो की यह यात्रा सिर्फ कूटनीतिक नहीं बल्कि डैमेज कंट्रोल मिशन भी है।

बिजली नहीं थी...

पत्नी आरती (35) की हालत गंभीर है, जिन्हें लखनऊ के लोहिया अस्पताल रेफर किया गया है। हादसा फतेहपुर थाना क्षेत्र में हुआ। नीरज परिवार के साथ झांसा गांव में रहते थे। वह किराए पर मैजिक चलाकर परिवार का खर्च चलाते थे।

अनुराग भगौली स्थित मोहन लाल वर्मा स्कूल में पढ़ाई करता था। वो कक्षा- 4 में था। जबकि अंशू इसी स्कूल में क्लास-1 में पढ़ती थी। वहीं, अंशिका सिद्धौर के युग मदनपुर के सर्वजीत इंटर कॉलेज में कक्षा-3 की छात्रा थी। अंशिका अपनी नानी के घर अनवारी बेहटा में रहकर पढ़ाई करती थी और स्कूल की छुट्टियां मनाने के लिए घर आई थी।

नीरज के मामा कृपा राम ने बताया, "रात करीब तीन बजे फोन आया कि हादसा हो गया है। इसके बाद हम अस्पताल पहुंचे। बिजली नहीं आने के कारण सभी लोग गर्मी से परेशान होकर घर के सामने दरवाजे पर सो रहे थे, तभी डंपर ने रौंद दिया।"

आजम और बेटे ...

उनका तर्क था कि यह मामला केवल दस्तावेजी गड़बड़ी का नहीं, सरकारी पहचान पत्र के दुरुपयोग और फर्जीवाड़े से जुड़ा गंभीर अपराध है। इसलिए दोनों को उम्रकैद की सजा दी जाए। एक हफ्ते पहले ही रामपुर MP/MLA कोर्ट ने आजम खान को कलेक्टर-फलेक्टर तनखैया बयान पर 2 साल की सजा सुनाई थी।

यूपी कांग्रेस अध्यक्ष ...

नीरज रावत ने एफआईआर में आरोप लगाया है कि अजय राय 15-16 वाहनों के काफिले और लगभग 25-30 समर्थकों के साथ कार्यक्रम स्थल पर पहुंचे थे। शिकायत में कहा गया है कि वाहनों को सार्वजनिक सड़क पर अव्यवस्थित तरीके से पार्क किया गया था, जिससे कथित तौर पर यातायात में बाधा उत्पन्न हुई और निवासियों को असुविधा हुई।

कानपुर में आईटीबीपी...

CMO की ओर से बनाई गई जांच कमेटी ने रिपोर्ट दी, लेकिन उसमें न साफ वजह निकली और न कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे नाराज ITBP के 50 जवान अपने अफसरों के साथ पुलिस कमिश्नर ऑफिस पहुंचे। यहां कार्रवाई की मांग की। स्थिति को देखते हुए CMO ने दोबारा जांच के निर्देश दिए हैं, ताकि यह साफ हो सके कि अस्पताल की लापरवाही थी या नहीं?

CMO हरिदत्त नेमी ने बताया-मामले की जांच के लिए दो वरिष्ठ अधिकारियों के नेतृत्व में एक टीम गठित की गई है, जो मौके पर जाकर पूरे गहन जांच करेगी और अपनी रिपोर्ट सौंपेगी। जांच टीम में शामिल अधिकारियों ने ITBP के साथ आए प्रतिनिधियों से भी बातचीत की है। उनके कुछ सवालों के जवाब दिए गए हैं।

विकास सिंह मूलरूप से फतेहपुर में खागा हथगाम के रहने वाले हैं। इस समय उनकी पोस्टिंग महाराजपुर स्थित 32वीं बटालियन में है। यहां आईटीबीपी का कमांड ऑफिस है।

अफसर बोले- मेरे ...

इस वजह से इस अस्पताल के खिलाफ मैं खुद अपने कांस्टेबल के साथ यहां पर शिकायत करने पहुंचा हूं। ताकि, कृष्णा हॉस्पिटल के खिलाफ कड़ा एक्शन लिया जा सके।

मामले में सीएमओ हरिदत्त नेमी ने बताया कि SIT स्तर की यह जांच वरिष्ठ अधिकारियों की निगरानी में हो रही है। टीम पूरे मामले की विस्तृत जांच कर रही है। यह भी स्पष्ट कर दिया गया है कि जांच में समय लगेगा, क्योंकि इसमें सभी पक्षों के बयान लेने होंगे। दस्तावेजों की जांच कर अन्य आवश्यक प्रक्रिया भी पूरी करनी होगी।

यूपी में विधानसभा के...

शासन स्तर से प्रशासक की नियुक्ति होगी। पंचायतों के 'ग्राम पंचायत सहायक' को ही 'प्रशासक' नियुक्त करने का प्रावधान है। जब तक चुनाव नहीं होते तब तक प्रशासक ही ग्राम पंचायत का कामकाज संभालता है।

राष्ट्रीय पंचायतीराज ग्राम प्रधान संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश सिंह से इस विषय पर संवाददाता ने बात की थी। उन्होंने कहा था कि संगठन के प्रतिनिधिमंडल ने 20 अप्रैल को सीएम योगी से मुलाकात करके प्रशासनिक समिति बनाने की मांग की थी। 16 मई को भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी से मुलाकात कर उनके सामने भी यही मांग रखी थी। संगठन के उपाध्यक्ष ललित कुमार शर्मा ने बताया था कि पंचायत चुनाव समय पर न होने पर राज्य सरकार या जिलाधिकारी प्रशासक या प्रशासनिक समिति बना सकते हैं। ऐसा पंचायतीराज एक्ट 1947 की धारा- 12 की उपधारा 3A के तहत किया जाता है।

बेंगलुरु-गुजरात का क्वालिफायर-1 खेलना तय

चौथी पोजिशन के लिए 4 टीमों में रेस, पंजाब के लिए आज जीत जरूरी

मुकाबला

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL 2026 के लीग स्टेज में प्लेऑफ की तस्वीर लगभग साफ हो गई है। शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु को हराकर 18 पॉइंट्स हासिल कर लिए। हालांकि, बेहतर नेट रनरेट के दम पर बेंगलुरु ने पहले पायदान पर फिनिश किया। इसके साथ ही बेंगलुरु और गुजरात 26 मई को धर्मशाला में क्वालिफायर-1 खेलेंगे।

गुजरात टाइटंस ने पहले ही चेन्नई सुपर किंग्स को हराकर 18 पॉइंट्स हासिल कर लिए थे। टीम का नेट रनरेट +0.695 है और वे दूसरे स्थान पर है। हैदराबाद भी 18 पॉइंट्स तक पहुंच गई, लेकिन नेट रनरेट में पीछे रहने के कारण तीसरे स्थान पर है।

अब चौथे स्थान के लिए राजस्थान रॉयल्स, पंजाब किंग्स, कोलकाता नाइट राइडर्स और दिल्ली कैपिटल्स की टीमें रेस में हैं। पंजाब आज लखनऊ सुपर जायंट्स से भिड़ेगी और टीम को प्लेऑफ की उम्मीदें जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी होगी। राजस्थान 14 पॉइंट्स के साथ चौथे स्थान पर बनी हुई है। टीम का आखिरी मुकाबला मुंबई इंडियंस से है। जीत के साथ राजस्थान सीधे प्लेऑफ में पहुंच जाएगी। दिल्ली 12 पॉइंट्स के साथ सातवें स्थान पर है। टीम का नेट रनरेट काफी खराब (-0.871) है। दिल्ली को कोलकाता के खिलाफ बड़े अंतर से जीत के अलावा दूसरी टीमों के नतीजों पर भी निर्भर रहना पड़ेगा। मुंबई, चेन्नई और लखनऊ प्लेऑफ की रेस से बाहर हो चुकी हैं। चेन्नई सातवें, मुंबई नौवें और लखनऊ आखिरी पायदान पर हैं। गुजरात के साई सुदर्शन 638 रन के साथ ऑरेंज कैप होल्डर बने हुए हैं। उनके बाद गुजरात के ही कप्तान शुभमन गिल 616 रन के साथ दूसरे स्थान पर हैं। बेंगलुरु के खिलाफ 51 रन की पारी खेलने वाले हैदराबाद के हेनरिक क्लासन 606 रन के साथ तीसरे पायदान पर आ गए हैं।

बेंगलुरु और गुजरात टॉप-2 में कायम

बेंगलुरु और गुजरात के 18-18 पॉइंट्स हैं। बेहतर नेट रनरेट के कारण बेंगलुरु (+0.783) पहले, जबकि गुजरात दूसरे स्थान पर है। दोनों टीमों का क्वालिफायर-1 खेलना तय है। क्वालिफायर-1 हारने वाली टीम को फाइनल खेलने का एक और चांस मिलता है। क्वालिफायर-2 जीतने वाली टीम का मुकाबला क्वालीफायर-1 हारने वाली टीम से एलिमिनेटर में होता है। जीतने वाली टीम फाइनल में क्वालीफायर-1 जीतने वाली टीम से खेलती हैं।

> हैदराबाद ने बेंगलुरु को हराकर 18 पॉइंट्स हासिल कर लिए। टीम तीसरे स्थान पर है। हालांकि नेट रनरेट कम होने के कारण एसआरएच टॉप-2 में जगह नहीं बना सकी। टीम को अपना रनरेट ऊपर ले जाने के लिए बेंगलुरु के खिलाफ 91 रन की जीत चाहिए थी। लेकिन टीम 55 रन से ही जीत सकी।

पंजाब के लिए करो या मरो की स्थिति

पंजाब 13 पॉइंट्स के साथ पांचवें स्थान पर है। टीम को लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी। पंजाब की नजर राजस्थान और कोलकाता के नतीजों पर भी रहेगी। कोलकाता के भी 13 पॉइंट्स हैं। टीम को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ जीत दर्ज करनी होगी और साथ ही राजस्थान और पंजाब की हार की उम्मीद करनी होगी।

विजय शंकर ने आईपीएल और डोमेस्टिक क्रिकेट से संन्यास लिया

चेन्नई। भारतीय क्रिकेटर विजय शंकर ने घरेलू क्रिकेट और IPL से संन्यास लेने का एलान किया है। शुक्रवार को उन्होंने X पर भावुक पोस्ट डाला। 25 साल लंबे करियर के बाद उन्होंने BCCI, परिवार और साथ देने वाले सभी लोगों का धन्यवाद किया।

पेसर ऑलराउंडर विजय ने साफ किया है कि वे पूरी तरह क्रिकेट नहीं छोड़ रहे हैं और नए विकल्प के साथ क्रिकेट खेलना जारी रखेंगे।

विजय ने लिखा कि क्रिकेट उनके लिए सिर्फ खेल नहीं, बल्कि जिंदगी रही है। उन्होंने नागपुर में भारत के 500वें वनडे मैच में आखिरी ओवर फेंकने और 2019 वर्ल्ड कप में पहली गेंद पर विकेट लेने को सबसे यादगार पल बताया। विजय ने बताया कि करियर के दौरान उन्हें भारी नफरत और आलोचना का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा इसे नजरअंदाज कर आगे बढ़ना चुना।

6 घंटे चला प्रज्ञानंदा-लाग्रेव का मैच, 139 बाजियों तक चला

सुपर चेस क्लासिक का सबसे लंबा मुकाबला, 5 खिलाड़ी टाइटल के दावेदार

बुखारेस्ट, एजेंसी

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रागननंदा और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बीच शनिवार को सुपर चेस क्लासिक में 6 घंटे तक मैराथन मुकाबला खेला गया। यह मैच 139 बाजियों तक चला। प्रज्ञानंदा को ड्रॉ से संतोष करना पड़ा। बुखारेस्ट में 8वें राउंड में प्रागननंदा के पास जीत के अच्छे मौके थे, लेकिन वे उन्हें भुना नहीं सके। टूर्नामेंट के आखिरी राउंड से पहले खिताब की रेस रोमांचक हो गई है। अब 5 खिलाड़ी मजबूत दावेदार हैं।

टॉप पर चल रहे अमेरिका के फैबियानो कारूआना और जर्मनी के विंसेंट कीमर का मुकाबला ड्रॉ रहा। दूसरी ओर उज्बेकिस्तान के जावोखिर सिंदारोव ने नीदरलैंड के जॉर्डन वान फॉरेस्ट पर लगातार दूसरी जीत दर्ज की।

नीदरलैंड के दोनों खिलाड़ियों के लिए दिन खराब रहा। फॉरेस्ट को सिंदारोव से हार मिली, जबकि अनीश गिरी को सबसे कम रैंकिंग वाले रोमानियाई खिलाड़ी डेक बोग्दान-डेनियल ने हराया। अमेरिका के वेस्ले सो को अलीरेजा फिरोजा के हटने से वॉकओवर मिला। टूर्नामेंट की कुल पुरस्कार राशि 3,75,000 अमेरिकी डॉलर (USD) है। विजेता को 1,00,000 अमेरिकी डॉलर मिलेंगे। शीर्ष खिलाड़ियों के बीच टाई होने पर विजेता तय करने के लिए कम समय के टाईब्रेक मैच खेले जाएंगे।

गुजरात के खिलाफ क्वालिफायर-1 खेलेगी ■ हैदराबाद 55 रन से जीती

हार के बावजूद टॉप पर रहेगी बेंगलुरु

नई दिल्ली, एजेंसी

IPL में शुक्रवार को सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को 55 रन से हरा दिया। राजीव गांधी इंटर-नेशनल स्टेडियम में हैदराबाद ने टॉस जीतकर 20 ओवर में 4 विकेट खोकर 255 रन बनाए। जवाब में बेंगलुरु 4 विकेट खोकर 200 रन ही बना सकी।

इस हार के बावजूद बेंगलुरु लीग स्टेज में टॉप बनी रही। वहीं, हैदराबाद जीत के साथ तीसरे स्थान पर है। अब IPL 2026 का पहला क्वालिफायर बेंगलुरु और गुजरात टाइटंस के बीच खेला जाएगा।

20वें ओवर में बेंगलुरु ने 15 रन जरूर बटोरे, लेकिन टीम टारगेट से काफी दूर रह गई। टिम डेविड ने साकिब हुसैन पर एक छक्का और चौका जड़ा, जबकि क्रुणाल पंड्या अंत तक 41 रन बनाकर नाबाद रहे। हालांकि, सनराइजर्स हैदराबाद ने मैच पर अपनी पकड़ बनाए रखी और 55 रन की शानदार जीत दर्ज की। इस जीत के साथ हैदराबाद ने लीग स्टेज का अंत तीसरे स्थान पर रहते हुए करेगी।

हैदराबाद के तीन बल्लेबाजों ने अर्धशतक लगाए

हैदराबाद के लिए अभिषेक शर्मा ने 22 गेंदों में 56 रन की पारी खेलकर टीम को तेज शुरुआत दिलाई, जबकि ईशान किशन ने 46 गेंदों में 79 रन बनाकर पारी को संभाला। हेनरिक क्लासन ने भी 24 गेंदों में 51 रन की पारी खेली। आखिर में नितीश कुमार रेड्डी ने 12 गेंदों में नाबाद 29 रन जोड़कर टीम को 250 के पार पहुंचाया। बेंगलुरु के गेंदबाज पूरी तरह संघर्ष करते नजर आए, जहां रसिख सलाम ने 2 विकेट लिए, जबकि सुयश शर्मा और क्रुणाल पंड्या को 1-1 सफलता मिली।

18.2 ओवर में ट्रैविस हेड ने बेंगलुरु के कप्तान रजत पाटीदार की अहम पारी का अंत कर दिया। हेड की शॉर्ट गेंद पर पाटीदार पुल शॉट खेलने गए, लेकिन गेंद बल्ले के बीच में नहीं आई और डीप मिडविकेट पर स्मरण रविचंद्रन ने कैच पकड़ लिया। पाटीदार ने 39 गेंदों में 56 रन बनाए, जिसमें 6 चौके और 1 छक्का शामिल रहा।

17.2 ओवर में रजत पाटीदार ने अपना अर्धशतक पूरा किया।

पाटीदार ने 56 रन की पारी खेली

256 रन के टारगेट का पीछा करते हुए ओपनर वेंकटेश अय्यर ने 19 गेंदों में 44 रन बनाए। इसके बाद कप्तान रजत पाटीदार ने 39 गेंदों में 56 रन बनाकर पारी को संभालने की कोशिश की, जबकि देवदत्त पडिक्कल ने 21 रन का योगदान दिया। विराट कोहली इस बार बड़ी पारी नहीं खेल सके और 15 रन बनाकर आउट हो गए। अंत में क्रुणाल पंड्या 41 और टिम डेविड 15 रन बनाकर नाबाद लौटे, लेकिन टीम 20 ओवर में 200/4 तक ही पहुंच सकी। सनराइजर्स के लिए ईशान मलिंगा सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 2 विकेट लिए, जबकि साकिब हुसैन और ट्रैविस हेड को 1-1 विकेट मिला।

मनोरंजन

बेटी आराध्या का भी हुआ अनऑफिशियल डेब्यू, लाल गाउन में मां का हाथ थामकर दिए पोज

कांस 2026 : सफायर ब्लू गाउन में पहुंचीं ऐश्वर्या राय

नई दिल्ली। कांस फिल्म फेस्टिवल से ऐश्वर्या राय बच्चन के ग्लैमरस लुक लगातार सामने आ रहे हैं। ऐश्वर्या ने कांस रेड कार्पेट पर अमित अग्रवाल का डिजाइनर सफायर गाउन पहना। उनके साथ बेटी आराध्या भी कांस पहुंची हैं, जिन्होंने अनऑफिशियली कांस में ग्लैमरस लुक में डेब्यू किया है। ऐश्वर्या राय ने साल 2002 में कांस में डेब्यू किया था। इसके बाद से ही वो लगातार कांस में मौजूद रहती हैं। बीते साल ऐश्वर्या ने मनीष मल्होत्रा द्वारा डिजाइन की गई सफेद-गोल्डन साड़ी पहनी थी। रेड डायमंड जूलरी और सिंदूर के साथ ऐश्वर्या बेहद खूबसूरत दिखीं। उनका ट्रेडिशनल लुक काफी चर्चा में रहा था। कांस के दूसरे लुक में ऐश्वर्या राय ने गौरव गुप्ता के कलेक्शन की ब्लैक सिक्वल गाउन के साथ ट्रेल कैरी की थी। खुले बालों और मिनिमल जूलरी में एक्ट्रेस बेहद ग्लैमरस लगी थीं। रेड कार्पेट पर ऐश्वर्या का वही पुराना और दिलकश अंदाज देखने को मिला। उन्होंने वहां मौजूद पपराजी को फ्लाइंग किस दिए, फिंगर हार्ट्स बनाए और दोनों हाथ जोड़कर 'नमस्ते' भी किया।

अमित अग्रवाल के 'स्कल्प्टेड गाउन' का जलवा

'कान्स की रानी' ऐश्वर्या राय का पहला लुक बेहद ही धमाकेदार रहा। रेड कार्पेट पर उन्होंने एक बेहद आकर्षक नीले रंग का मर्मेड-फिनिश स्कल्प्टेड गाउन पहना था। इस लुक को पूरा करने के लिए उन्होंने एक चमकदार दुपट्टा भी ओढ़ा हुआ था। आपको बता दें कि इस शानदार आउटफिट को मशहूर डिजाइनर अमित अग्रवाल ने डिजाइन किया है, जो इस साल कान्स में अपना शानदार डेब्यू कर रहे हैं।

दृश्यम 3ः मोहनलाल की फिल्म का दुनियाभर में बजा डंका

शुक्रवार को डबल डिजिट में हुई कमाई

नई दिल्ली। मोहनलाल स्टारर फिल्म 'दृश्यम 3' सुपरस्टार के जन्मदिन के अवसर पर 21 मई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। 'दृश्यम 2' का सीक्वल और लोकप्रिय 'दृश्यम' फ्रेंचाइज की तीसरी फिल्म है। समीक्षकों और दर्शकों से मिली-जुली प्रतिक्रिया मिली थी।

इस थ्रिलर ने बॉक्स ऑफिस पर शानदार शुरुआत की थी। हालांकि, पहले दिन के दमदार प्रदर्शन की तुलना में इसके कलेक्शन में थोड़ी गिरावट आई है।

सैकनिल्क के अनुसार, मलयालम वर्जन वाली 'दृश्यम 3' ने भारत में दूसरे दिन 4,886 शो में 11.05 करोड़ रुपये का नेट कलेक्शन किया था। अन्य भाषाओं की बात करें तो फिल्म ने कन्नड़ में लगभग 10 लाख रुपये, तमिल में 40 लाख रुपये और तेलुगु में 70 लाख रुपये कमाए। इसके साथ ही, 'दृश्यम 3' का नेट बॉक्स ऑफिस कलेक्शन अब 26.90 करोड़ रुपये हो गया है, जबकि रिलीज के सिर्फ दो दिनों में इसका ग्रास कलेक्शन 31.18 करोड़ रुपये तक पहुंच गया है। दृश्यम 3 विदेशों में भी जबरदस्त प्रदर्शन कर रही है। मोहनलाल की इस थ्रिलर फिल्म ने दूसरे दिन ही विदेशों में 20 करोड़ रुपये का कलेक्शन कर लिया है। इससे इसका कुल इंटरनेशनल ग्रास कलेक्शन 45 करोड़ रुपये हो गया है।

बाद में यह रोल अक्षय खन्ना को ऑफर हुआ और अपने दमदार अभिनय के लिए उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी

रणदीप हुड्डा ने ठुकरा दिया था 'छावा' में औरंगजेब का महत्वपूर्ण रोल

नई दिल्ली। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने हाल ही में खुलासा किया कि उन्हें 2025 में आई हिट फिल्म 'छावा' में एक महत्वपूर्ण रोल ऑफर हुआ था। हालांकि एक्टर ने इसे एक खास वजह से मना कर दिया था। रणदीप ने बताया कि उन्हें मुगल सम्राट औरंगजेब की भूमिका दी गई थी।

इस फिल्म में विक्की कौशल लीड रोल में थे। फिल्म की कहानी मराठा साम्राज्य के दूसरे शासक संभाजी के जीवन पर आधारित थी। फिल्म के जबरदस्त हिट होने और भारतीय सिनेमा के इतिहास में सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में से एक बनने के बावजूद, रणदीप ने बताया कि उन्होंने यह भूमिका ठुकरा दी थी। बाद में यह रोल अक्षय खन्ना को ऑफर हुआ और अपने दमदार अभिनय के लिए उन्होंने खूब प्रशंसा बटोरी। हुड्डा ने कहा, ˜मैं IP कोर्ट केस मामले से जूझ रहा था और पूरी कहानी में हिंदू-मुस्लिम मुद्दे बहुत ज्यादा थे और मैं उस रास्ते पर नहीं जाना चाहता था। उसके बाद जब यह फिल्म (Eetha) मेरे हाथ लगी, तो मुझे यह पसंद आई। रणदीप और उनकी पत्नी लिन लैशराम ने 10 मार्च को एक बच्ची का स्वागत किया। इस दिन रणदीप के पिता रणबीर हुडा का जन्मदिन भी था। बेटी के जन्म के एक महीने बाद, रणदीप ने बेटी का नाम रिवील किया। कपल ने बेटी का नाम न्योमिका हुडा रखा है। रणदीप हुड्डा बहुत जल्द ईथा में नजर आएंगे। इस फिल्म में उनके साथ श्रद्धा कपूर होंगी।

रणदीप ने क्यों कर दिया था मना

कारण बताते हुए रणदीप ने जूम को बताया कि जब निर्देशक लक्ष्मण उतेकर ने उनसे 'छावा' के लिए संपर्क किया, तब उनकी मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। रणदीप ने बताया कि वो लक्ष्मण का एक व्यक्ति और फिल्म निर्माता के तौर पर बहुत सम्मान करे हैं लेकिन इन सबके बावजूद उन्हें फिल्म के लिए मना करना पड़ा। रणदीप ने बताया कि उस समय उनका वजन बहुत कम था और उन्होंने अपना सिर मुंडवा रखा था, क्योंकि कुछ समय पहले ही उन्होंने 'सावरकर' की शूटिंग पूरी की थी। उसका पोस्ट-प्रोडक्शन काम चल रहा था जब रणदीप को छावा ऑफर हुई थी।

ट्रम्प वीकेंड प्रोग्राम कैंसिल कर व्हाइट हाउस लौटे, ईरान बोला- दुश्मन की बेवकूफी का जवाब देंगे

ईरान पर फिर हमले की तैयारी में अमेरिका

दावा

तेल अवीव, एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प अपने वीकेंड गोल्फ कार्यक्रम रद्द कर अचानक व्हाइट हाउस लौट आए हैं। इसके बाद अमेरिका और ईरान के बीच तनाव को लेकर अटकलें तेज हो गई हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अमेरिका ईरान के खिलाफ नए सैन्य हमलों की तैयारी कर सकता है। CBS न्यूज ने दावा किया है कि ट्रम्प प्रशासन संभावित नए हमलों की प्लानिंग पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी अंतिम फैसला नहीं लिया गया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, अमेरिकी प्रशासन और सेना के कई सीनियर अधिकारियों ने भी अपने छुट्टी और हॉलिडे प्रोग्राम रद्द कर दिए हैं।

इसी बीच ईरान की सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने दावा किया कि ईरानी सेना दुश्मन की किसी भी बेवकूफी का जवाब देने के लिए पूरी तरह तैयार है।

ईरान पर हमला ना करने की अपील- सऊदी अरब, UAE और कतर ने ट्रम्प से ईरान पर हमला न करने और युद्ध की जगह कूटनीति अपनाने की अपील की है।

EU नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी में- यूरोपीय यूनियन (EU) होर्मुज स्ट्रेट बंद कराने के आरोप में ईरानी अधिकारियों और संस्थाओं पर नए प्रतिबंध लगाने की तैयारी कर रहा है।

होर्मुज खोलने के लिए फ्रांस का प्रस्ताव- फ्रांस ने होर्मुज स्ट्रेट खोलने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अंतरराष्ट्रीय समुद्री मिशन तैनात करने का नया प्रस्ताव तैयार किया है।

पाकिस्तान सेना प्रमुख ईरान में- पाकिस्तान सेना प्रमुख आसिम मुनीर तेहरान पहुंचे, जहां अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम कराने और समझौते पर चर्चा हुई।

एक्सपर्ट बोले- ईरान परमाणु कार्यक्रम पर समझौते को तैयार

तेहरान यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर फोआद इजादी ने कहा है कि ईरान अपने परमाणु कार्यक्रम को लेकर समझौता करने के लिए तैयार है, लेकिन इसके बदले उसकी कुछ अहम शर्तें हैं।

अल जजीरा से बातचीत में इजादी ने कहा कि ईरान पहले भी ऐसा कर चुका है। उन्होंने 2015 के परमाणु समझौते का उदाहरण दिया।

इजादी के मुताबिक, 2015 के परमाणु समझौते में ईरान ने यूरेनियम एनरिचमेंट की सीमा 3.67% तक रखने पर सहमति दी थी।

उन्होंने कहा कि इस स्तर पर परमाणु हथियार बनाना संभव नहीं माना जाता। साथ ही अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (IAEA) की व्यापक निगरानी और निरीक्षण व्यवस्था भी लागू की गई थी।

जापानी ऑयल टैंकर ने होर्मुज पार किया, इस पर 20 लाख बैरल तेल

होर्मुज स्ट्रेट में तनाव के बीच जापान का एक तेल टैंकर सुरक्षित तरीके से यह रास्ता पार कर गया है। जापानी मीडिया के मुताबिक, इदेमित्सु मारू नाम का यह टैंकर सोमवार को जापान के आइची इलाके में पहुंच सकता है।

यह जहाज सऊदी अरब से करीब 20 लाख बैरल कच्चा तेल लेकर आ रहा है। रिपोर्ट के मुताबिक, जहाज पर मौजूद तीनों जापानी कर्मचारी सुरक्षित हैं।

दिल का दौरा, इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने कुछ ही मिनटों में बचाई जान

नई दिल्ली, एजेंसी

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक संयुक्त अरब अमीरात के दुबई शहर का वीडियो तेजी से वायरल हो रहा है, जहां दिल का दौरा पड़ने के बाद एक व्यक्ति जमीन पर अचेत होकर गिर जाता है। इसके बाद दुबई की इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम ने कुछ ही मिनटों में जान बचा ली।

दरअसल, दुबई शहर में एक व्यक्ति को अचानक हार्ट अटैक आया, जिसके बाद वह सड़क पर ही गिर पड़ा। जैसे ही कंट्रोल रूम को इस आपातकालीन स्थिति की सूचना मिली, बिना एक सेकंड गंवाए मेडिकल टीम मौके पर पहुंची और मरीज को तुरंत प्राथमिक उपचार देकर उसकी धड़कनों को वापस लौटाया। मेडिकल टीम ने ऑटोमेटिक CPR डिवाइस का इस्तेमाल कर तुरंत इलाज शुरू किया और मौत के मुंह में जा रहे व्यक्ति कोमहज कुछ ही मिनटों के भीतर त्वरित एक्शन लेते हुए सुरक्षित बचा लिया।

दुबई में हुई इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। लोग दुबई की तेज, आधुनिक और हाईटेक इसमरजेंसी सेवा की जमकर प्रशंसा कर रहे हैं। वीडियो में साफ तौर पर दिख रहा है कि मेडिकल की टीम सड़क पर गिरे व्यक्ति को सीपीआर देकर जान बचाई। वीडियो में दिखाया गया है कि बचाव दल ने एक विशेष सीपीआर मशीन का इस्तेमाल किया, जो लगातार और उच्च गुणवत्ता वाले सीने पर दबाव डालती है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, वह व्यक्ति अचानक बेहोश हो गया और उसमें जीवन या सांस लेने के कोई लक्षण नहीं दिखे, इसलिए आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत एम्बुलेंस को बुलाया।

फास्ट न्यूज

ट्रंप की धमकी के बीच अराघची-मुनीर की बैठक?

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जारी टकराव के बीच ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने पाकिस्तान के सेना प्रमुख आसिम मुनीर से मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार देर रात तक बातचीत चली, जिसमें पश्चिम एशिया की सुरक्षा स्थिति, ईरान संघर्ष और क्षेत्रीय स्थिरता से जुड़े मुद्दों पर विस्तार से चर्चा हुई।

2024 की करारी हार पर डेमोक्रेटिक पार्टी की रिपोर्ट सार्वजनिक

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति चुनाव 2024 में डोनल्ड ट्रंप के हाथों कमला हैरिस की ऐतिहासिक हार के दो साल बाद डेमोक्रेटिक पार्टी ने 192 पन्नों की एक समीक्षा रिपोर्ट सार्वजनिक की है। रणनीतिकार पॉल रिवेरा द्वारा तैयार इस रिपोर्ट ने पार्टी के भीतर के गहरे मतभेदों और अंतर्विरोधों को उजागर कर दिया है। डेमोक्रेटिक रणनीतिकार पॉल रिवेरा की रिपोर्ट के मुताबिक, भारी मात्रा में चुनावी चंदा जुटाने और राष्ट्रपति जो बाइडन के रेस से हटने के बाद मिले शुरुआती उत्साह के बावजूद, कमला हैरिस 2024 का राष्ट्रपति चुनाव डोनल्ड ट्रंप से हार गईं।

चीन का चांद मिशनः दक्षिणी ध्रुव पर पर्यावरण और संसाधनों का करेगा सर्वेक्षण

बीजिंग । चीन का चांद अन्वेषण मिशन 'चांग'ई-7 चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव का पर्यावरण और संसाधन सर्वेक्षण करेगा। यह मिशन इस साल के अंत में लॉन्च किया जाएगा। यह जानकारी चीन की मानव अंतरिक्ष एजेंसी ने शनिवार को दी है।

पुलवामा हमले के मास्टरमाइंड बुरहान के जनाजे में शामिल हुए ढेरों खूंखार आतंकी

नई दिल्ली, एजेंसी

पाकिस्तान एक बार फिर बेनकाब हुआ है। आतंकियों की फैक्ट्री में एक बार फिर से टॉप के मोस्ट वांटेड टेररिस्ट एक साथ देखे गए हैं। मौका था पहलगाम हमले के मास्टरमाइंड हमजा बुरहान के जनाजे का।

इस जनाजे में हिजबुल मुजाहिदीन के सरगना सैयद सलाहुद्दीन और अल-बद्र के प्रमुख बख्त जमीन खान सहित पाकिस्तान में मौजूद कई वांछित आतंकवादी देखे गए। हमजा बुरहान को अर्जुमंद गुलजार डार के नाम से भी जाना जाता था और जिसका कोडनेम ₹डॉक्टर₹ था। उसको पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (PoK) में अज्ञात बंदूकधारियों द्वारा गोली मारे जाने के एक दिन बाद इस्लामाबाद में दफनाया गया। सोशल मीडिया पर चल रहे वीडियो और स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, आतंकवादी गुर्गों के अलावा पाकिस्तान की आईएसआई से जुड़े अधिकारी भी जनाजे में मौजूद दिखे।

जनाजे के वीडियो में कथित तौर पर लोग भारी हथियारों से लैस नजर आए। इनके पास AK-47 राइफलें और अन्य आधुनिक हथियार थे। उस इलाके से सोशल मीडिया पर आए वीडियो से यह भी संकेत मिला कि प्रतिबंधित आतंकवादी संगठनों से जुड़े कई हथियारबंद गुर्गे भी इसमें शामिल थे। बुरहान कथित तौर पर 2019 के पुलवामा आतंकवादी हमले के मास्टरमाइंड में से एक था, जिसमें फरवरी 2019 में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (CRPF) के 40 से अधिक जवान शहीद हो गए थे। जम्मू और कश्मीर में कई आतंकी गतिविधियों में शामिल के बाद केंद्रीय गृह मंत्रालय ने 2022 में उसे आतंकवादी घोषित कर दिया था। अधिकारियों के अनुसार, उसने पाकिस्तान से अल-बद्र के ऑपरेशन के लिए कट्टरपंथ फैलाने, युवाओं की भर्ती करने और फंडिंग करने में अहम भूमिका निभाई थी।

15 मई को 3 और 19 मई को 90 पैसे की बढ़ोतरी हो चुकी, सीएनजी भी 1 महंगी

पेट्रोल 87 पैसे, डीजल 91 पैसे और महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतों में एक बार फिर बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में पेट्रोल 87 पैसे महंगा होकर 99.51 प्रति लीटर पहुंच गया है। डीजल 91 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ है। इसके दाम 92.49 पर पहुंच गए हैं।इसके अलावा दिल्ली-एनसीआर में CNG की कीमतें 1 किलो बढ़ गई हैं। इस बदलाव के बाद दिल्ली में CNG अब 81.09 प्रति किलो मिलेगी। पिछले 10 दिनों में यह तीसरी बढ़ोतरी है। इससे पहले सरकार ने 15 मई को CNG के दाम 2 और फिर 18 मई को 1 बढ़ाए थे।

मालभाड़ा बढ़ेगा: ट्रक और टेम्पो का किराया बढ़ जाएगा, जिससे दूसरे राज्यों से आने वाली सब्जियां, फल और राशन महंगे हो जाएंगे।

> ईंधन की कीमतों में 9 दिन में यह तीसरी बढ़ोतरी है। 4 दिन पहले 19 मई को पेट्रोल और डीजल के दामों में एवरेज 90 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की गई थी। जबकि, 15 मई को भी कीमतों में 3 प्रति लीटर का इजाफा किया गया था।

खेती की लागतः ट्रैक्टर और पंपिंग सेट चलाने के लिए किसानों को ज्यादा खर्च करना होगा, जिससे अनाज की लागत बढ़ेगी।

बस-ऑटो का किरायाः सार्वजनिक परिवहन और स्कूल बसों के किराए में भी इजाफा देखने को मिल सकता है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों और डॉलर के मुकाबले रुपए की स्थिति के आधार पर देश में ईंधन के दाम तय किए जाते हैं। सरकारी तेल कंपनियां 'डेली प्राइस रिवीजन' यानी डायनेमिक प्राइसिंग सिस्टम के तहत हर दिन सुबह 6 बजे नए रेट अपडेट करती हैं।

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में क्यों हुई बढ़ोतरी?

इस बढ़ोतरी की मुख्य वजह अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव है। ईरान और अमेरिका की जंग शुरू होने से पहले क्रूड ऑयल के दाम 70 डॉलर थे जो अब बढ़कर 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गए हैं।

क्रूड की कीमतें बढ़ने से तेल कंपनियां दबाव में थीं। इसलिए कंपनियों ने घाटे की भरपाई के लिए यह कदम उठाया है। अगर कच्चे तेल की कीमतों में लंबे समय तक तेजी बनी रहती है तो पेट्रोल-डीजल की कीमतें और भी बढ़ाई जा सकती हैं।

भारत अपनी जरूरत का करीब 90% क्रूड विदेशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार से खरीदे गए बैरल के हिसाब से प्रति लीटर तेल की कीमत तय होती है।

कच्चे तेल को देश की रिफाइनरियों में साफ करके पेट्रोल-डीजल बनाया जाता है। इसमें रिफाइनिंग लागत और कंपनियों का मार्जिन शामिल होता है।

केंद्र सरकार ने लॉन्च की भव्य योजना

देश भर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क बनाए जाएंगे, 33,660 करोड़ का बजट मंजूर

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को 'भव्य (भारत औद्योगिक विकास योजना) योजना' के दिशा-निर्देश लॉन्च कर दिए हैं। जिसके तहत सरकार देश भर में 100 इंडस्ट्रियल पार्क विकसित करने की तैयारी कर रही है।

इस योजना के लिए 33,660 करोड़ का वित्तीय परिव्यय यानी फाइनेंशियल आउटले तय किया गया है, जो राज्य सरकारों के साथ साझेदारी में प्लग-एंड-प्ले इंडस्ट्रियल पार्क के जरिए मैन्युफैक्चरिंग और इन्वेस्टमेंट हब बनाएगी। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि केंद्रीय कैबिनेट ने करीब दो महीने पहले इस योजना को मंजूरी दी थी। केंद्र सरकार को उम्मीद है कि राज्य सरकारें औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराएंगी। इस योजना का उद्देश्य पहले से स्वीकृत जमीन, तैयार इंफ्रास्ट्रक्चर और इंटीग्रेटेड सर्विसेज के साथ निवेश के लिए तैयार इंडस्ट्रियल इकोसिस्टम बनाना है। इससे उद्योगों को अपना कामकाज जल्दी शुरू करने में मदद मिलेगी। इन पार्कों का विकास नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट प्रोग्राम (NICDP) के स्ट्रक्चर के तहत राज्यों और प्राइवेट सेक्टर के प्लेयर्स के साथ मिलकर किया जाएगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि जो राज्य जमीन, पानी और बिजली जैसी बेहतर सुविधाएं देंगे, वे निवेशकों को ज्यादा आकर्षित कर सकते हैं। राजस्थान, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल और हरियाणा ने इस योजना में रुचि दिखाई है। राज्यों के पास प्राइवेट सेक्टर के प्लेयर्स के साथ साझेदारी करके प्रस्ताव सौंपने का भी प्रावधान है, जिसके तहत केंद्र सरकार 50 लाख प्रति एकड़ की सहायता प्रदान करेगी। जल्दी मंजूरी सुनिश्चित करने के लिए राज्यों को स्पेशल पर्पज व्हीकल्स (SPVs) स्थापित करने, प्लानिंग अथॉरिटीज को नोटिफाई करने और सिंगल-विंडो क्लीयरेंस सिस्टम बनाने के लिए कहा गया है।

इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए प्रति एकड़ 1 करोड़ तक की वित्तीय सहायता

सरकार द्वारा साझा की गई जानकारी के मुताबिक, इन इंडस्ट्रियल पार्कों का आकार 100 से 1,000 एकड़ के बीच होगा। इंफ्रास्ट्रक्चर विकास के लिए सरकार प्रति एकड़ 1 करोड़ तक की वित्तीय सहायता देगी।

अगले 4 महीनों में राज्यों से मांगे आवेदन, पहले फेज में 20 पार्कों की अर्जी आएगी

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने बताया कि पहले दो महीनों में 20 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे। इसके बाद के दो महीनों में अन्य 30 पार्कों के लिए आवेदन लिए जाएंगे, जबकि बचे हुए 50 पार्कों को अगले फेज में शामिल किया जाएगा। सरकार अगले चार महीनों में राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों (UTs) से आवेदन आमंत्रित कर रही है। केंद्र सरकार की योजना शुरुआत में 50 इंडस्ट्रियल पार्कों के लिए आवेदन हासिल करने की है, ताकि देश भर में इस योजना को तेजी से लागू किया जा सके।

> केंद्र सरकार ने मौजूदा ट्रांसपोर्ट और लॉजिस्टिक्स नेटवर्क के साथ कनेक्टिविटी को बेहतर बनाने के लिए प्रोजेक्ट कॉस्ट के 25 प्रतिशत तक बाहरी इंफ्रास्ट्रक्चर सपोर्ट का प्रस्ताव भी दिया है।
>
> इस योजना के तहत प्रोजेक्ट का चयन एक चैलेंज-बेस्ड प्रोसेस के जरिए किया जाएगा, जो निवेश के लिए तैयार और रिफॉर्म-ओरिएंटेड प्रस्तावों पर केंद्रित होगा।

हिंद महासागर में उतरा एलन मस्क का स्टारशिप

पानी में लैंडिंग के चंद सेकंड बाद ही जोरदार ब्लास्ट

नई दिल्ली, एजेंसी

स्पेसएक्स के स्टारशिप अंतरिक्ष यान ने शुक्रवार को हिंद महासागर में सफलतापूर्वक पानी में लैंडिंग किया। यह लैंडिंग कंपनी के विशालकाय रॉकेट के लेटेस्ट संस्करण की काफी हद तक सफल परीक्षण उड़ान के बाद हुई। इस तरह, लगभग एक घंटे तक चला यह मिशन जोरदार धमाके के साथ ठीक उसी जगह पर समाप्त हुआ, जहां मिशन योजनाकारों ने इसे समाप्त करने की योजना बनाई थी।

स्टारशिप के बड़े V3 मॉडल का पहला लॉन्च सफलताओं और असफलताओं के बीच एक नाटकीय संतुलन का खेल था। टेक्सास के सबसे दक्षिणी छोर पर स्थित SpaceX की Starbase लॉन्च सुविधाओं से उड़ान भरने के बाद इस मिशन में कई उतार-चढ़ाव आए। उड़ान भरने के बाद यह यान खाड़ी के ऊपर से तेजी से गुजरा और लगभग एक घंटे बाद, स्टारशिप अंतरिक्ष यान का ऊपरी हिस्सा हिंद महासागर में जा गिरा। यह सब तब हुआ, जब इंजन में आई समस्या ने बार-बार यान को नष्ट करने का खतरा पैदा किया था।

गुरुवार को हुए लॉन्च के प्रयास के विपरीत, इस बार काउंटडाउन के दौरान कोई समस्या नहीं आई। स्टारशिप ने लॉन्च विंडो के ठीक शुरुआत में ही उड़ान भरी, और उसके सभी 33 Raptor इंजन पूरी ताकत से चालू हो गए।

फैसलाः इनमें से एक अंडमान से सिर्फ 1100 किलोमीटर दूर, सीक्रेट जानकारी शेयर करने का भी समझौता

बांग्लादेश के दो पोर्ट अमेरिका इस्तेमाल करेगा

ढाका, एजेंसी

बांग्लादेश ने अमेरिका को दो महत्वपूर्ण बंदरगाहों के इस्तेमाल की इजाजत देने का फैसला किया है। इसके साथ ही दोनों देशों के बीच सीक्रेट जानकारी शेयर करने को लेकर भी समझौता हुआ है।

रिपोर्ट के मुताबिक, अमेरिका और बांग्लादेश के बीच कुल तीन बड़े समझौते हुए हैं। इन समझौतों के बाद बंगाल के खाड़ी रीजन में अमेरिका की मौजूदगी और प्रभाव काफी बढ़ सकता है।

अमेरिका को बांग्लादेश के चिटगांव और मतारबाड़ी बंदरगाहों तक पहुंच मिलेगी। इन बंदरगाहों का इस्तेमाल अमेरिकी नौसेना और सैन्य जहाज कर सकेंगे।

इससे अमेरिका को हिंद महासागर और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में अपनी सैन्य और रणनीतिक ताकत बढ़ाने में मदद मिलेगी। चिटगांव बंदरगाह भारत के अंडमान-निकोबार क्षेत्र से सिर्फ 1100 किमी दूर है।

दो बंदरगाहों के इस्तेमाल का करार- अमेरिका को बांग्लादेश के चिटगांव और मतारबाड़ी बंदरगाह इस्तेमाल करने की इजाजत दी जाएगी। अमेरिकी युद्धपोत और सैन्य जहाज यहां आ-जा सकेंगे।

खुफिया जानकारी साझा करने का करार- दोनों देश सैन्य और सुरक्षा से जुड़ी खुफिया सूचनाएं एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। समुद्री गतिविधियों और सुरक्षा पर मिलकर निगरानी रखी जाएगी। सैन्य और रणनीतिक सहयोग बढ़ाने का करार- बंगाल की खाड़ी और मलक्का स्ट्रेट रीजन में अमेरिका की सैन्य मौजूदगी बढ़ाने, समुद्री निगरानी और रणनीतिक सहयोग को मजबूत करने पर सहमति बनी है।

अमेरिका की नजर मलक्का स्ट्रेट पर

अमेरिका की खास नजर मलक्का स्ट्रेट पर है। यह दुनिया के सबसे जरूरी ट्रेड रूट्स में से एक माना जाता है। दुनिया का लगभग 60% समुद्री व्यापार इसी रास्ते से होता है। तेल, गैस और अन्य जरूरी सामानों की सप्लाई के लिए भी यह मार्ग बेहद अहम है।

एक्सपर्ट्स का मानना है कि इस इलाके में अपनी मौजूदगी बढ़ाकर अमेरिका चीन की एक्टिविटी पर भी नजर रखना चाहता है।

मलक्का चीन के लिए सबसे बड़ी कमजोरी

मलक्का को पूरी दुनिया के ट्रेड की लाइफलाइन कहा जा सकता है। यहां से तेल के साथ-साथ इलेक्ट्रॉनिक्स, मशीनें और बाकी सामान भी बड़ी मात्रा में एक जगह से दूसरी जगह पहुंचते हैं। चीन के लिए तो मलक्का को सबसे बड़ी रणनीतिक कमजोरी माना जाता है। चीन के करीब 80% तेल आयात इसी रास्ते से आते हैं। ये इंडस्ट्रियल इकॉनमी और एक्सपोर्ट सिस्टम के लिए बेहद जरूरी है। इसी वजह से चीन लंबे समय से इस पर अपनी निर्भरता को एक कमजोरी मानता है। यही कारण है कि पूर्व चीनी राष्ट्रपति हू जिंताओ ने इसे 'मलक्का डिलेमा' कहा था।

जर्मनी के शोधकर्ताओं का कमाल 3500 साल पुराना रहस्य खुला

प्राचीन लिपि को एआई ने किया डिकोड

नई दिल्ली, एजेंसी

जर्मनी के वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक एआई टूल का खुलासा किया है। ये कीलाकार लिपि में लिखी प्राचीन मिट्टी की गोलियों को पढ़ने के तरीके को बदल रहा है, जिससे अनातोलिया पर कभी प्रभुत्व रखने वाली हित्ती सभ्यता के अनगिनत भूले हुए रहस्यों को उजागर करने की संभावना है।

पैलियोग्राफिकम नाम का यह टूल परिष्कृत पैटर्न-पहचान प्रणाली के रूप में कार्य करता है, जो तीन हजार साल पहले मिट्टी पर उकेरे गए कीलनुमा अक्षरों में मौजूद व्यक्तिगत भिन्नताओं को स्वचालित रूप से पहचान लेता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि यह विकास क्रांति से कम नहीं है।

वुर्जबर्ग विश्वविद्यालय में प्राचीन निकट पूर्वी अध्ययन विभाग के प्रमुख प्रोफेसर डैनियल श्वमर ने कहा, ₹पैलियोग्राफिकम हमारे काम को पूरी तरह से बदल रहा है। इससे हमें हजारों घंटों की बचत होती है।

यह सॉफ्टवेयर 70,000 डिजिटाइज्ड तस्वीरों को खंगालता है, जिनमें 50 लाख से ज्यादा क्यूनिफॉर्म अक्षर मौजूद हैं और यह तुरंत ही एक जैसी या लगभग एक जैसी लिपि संरचनाओं का पता लगा लेता है। जिस काम में पहले मिट्टी के पांच टुकड़ों की बारीकी से हाथ से तुलना करने में तीन दिन लगते थे, अब वह काम महज पांच मिनट में पूरा किया जा सकता है।

तमसा संकेत

tamsa.news@gmail.com

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक विद्यादेवी द्वारा कृष्णा डाइनेस्टी प्रिंटिंग प्रेस म0 न0 195 सेक्टर 6-बी, वृन्दावन योजना, रायबरेली रोड लखनऊ- 226 029 (उ0प्र0) से मुद्रित कराकर तमसा संकेत भवन शहजादपुर, अकबरपुर जनपद अम्बेडकरनगर (उत्तर प्रदेश) (पिन कोड-224122) से प्रकाशित

सम्पादक : विद्यादेवी

समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा

समाचार पत्र में प्रकाशित लेख, राजनीतिक विश्लेषण, लेखकों के अपने विचार हैं। सम्पादक का इन विचारों से सहमत होना आवश्यक नहीं हैं।

मो0- 9415799533

R.N.I. NO. 64107/96